सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 15 अंक - 319 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, सोमवार 2 सितंबर 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रदेशवासियों को पोला तिहार की दी बधाई

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रदेशवासियों विशेष रूप से किसान भाईयों को पोला तिहार की बधाई और शुभकामनाएं दी है। इस अवसर पर उन्होंने सभी नागरिकों की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की है। पोला तिहार की पूर्व संध्या पर जारी अपने शुभकामना संदेश में श्री साय ने कहा है कि पोला तिहार किसानों का खेती किसानी से जुड़ा सबसे बड़ा त्योहार है। यह हमारे जीवन में खेती-किसानी और पशुधन का महत्व बताता है। इस दिन घरों में उत्साह से बैल और जाता-पोरा की पूजा कर अच्छी फसल और घर को धन-धान्य से परिपूर्ण होने के लिए प्रार्थना की जाती है। यह छत्तीसगढ़ की परम्परा, संस्कृति और लोक जीवन की गहराइयों से जुड़ा पर्व है।

श्री साय ने कहा कि पोला का त्यौहार हमारी संस्कृति और परम्पराओं को अगली पीढ़ी तक पहुंचाता हैं। पोला के दिन मिट्टी के बर्तन और बैलों से खेलकर बच्चे अनजाने ही अपनी मिट्टी और उसके संस्कारों से जुड़ जाते हैं। श्री साय ने कहा कि अगली पीढ़ियों तक अपनी समृद्ध संस्कृति को पहुंचाने और उन्हें जमीन से जोड़े रखने के लिए पारंपरिक त्योहारों का संरक्षण और संवर्धन अवश्यक है।

मुख्यमंत्री ने तीजा के अवसर पर दी बड़ी सौगात, 70 लाख महिलाओं को मिली महतारी वंदन योजना की सातवीं किस्त

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज प्रदेश की 70 लाख महिलाओं को तीजा के अवसर पर बड़ी सौगात दी है। उन्होंने आज मुख्यमंत्री निवास में आयोजित तीजा-पोरा महतारी वंदन तिहार के के मौके पर महतारी वंदन योजना के सातवीं किस्त की राशि के रूप में 01-01 हजार रुपए डीबीटी के माध्यम से महिलाओं के खाते में अंतरित किये। महिलाओं के चेहरे खिल उठे और उन्होंने अपने विष्णु भैया को धन्यवाद दिया।

गौरतलब है कि प्रदेश में महिलाओ के आर्थिक स्वावलंबन तथा उनके स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर मे सतत सुधार तथा परिवार मे उनकी निर्णायक भूमिका सुदृढ़ करने हेतु, समाज मे महिलाओं के प्रति भेदभाव, असमानता एवं जागरूकता की कमी को दूर करने, स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर मे सुधार करने तथा आर्थिक स्वावलंबन एवं सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से महतारी वंदन योजना लागू किए जाने का निर्णय लिया गया। जिसके अंतर्गत राज्य की विवाहित, विधवा परित्यक्ता और तलाकशुदा जिनकी उम्र 21 वर्ष से अधिक हो ऐसी महिलाओ को प्रतिमाह 1000 रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 10 मार्च 2024 को महतारी वंदन योजना की शुरूआत की गई थी। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने बटन दबाकर प्रथम किश्त की राशि जारी की थी।योजना के तहत पहले चरण में करीब 70 लाख से अधिक महिलाओं को लाभार्थी के तौर पर चुना गया है, जिनके बैंक खाते में योजना की 7 किश्ते ट्रांसफर कर दी गई हैं।

माताओं-बहनों का सीएम ने किया अभिनंदन

अपने निवास पर बड़ी संख्या में आई माताओं-बहनों को देखकर मुख्यमंत्री श्री साय अभिभूत हो गए। उन्होंने सभी का अभिनंदन किया। महिलाओं के साथ उन्होंने संवाद भी किया और उनका हालचाल पूछा। इस दौरान सीएम हाउस में पहुंची महिलाओं ने महतारी वंदन योजना के लिए सीएम श्री साय का आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने पोला त्यौहार के अवसर पर शिव और नंदीराज की पूजा-अर्चना कर प्रदेश वासियों के सुख, समृद्धि की कामना की।

विष्णु भइया के घर तीजा-पोरा के धूम

हरेली के बाद सीएम हाउस फिर सजा परंपरागत ग्रामीण परिवेश में

श्रीकंचनपथ न्यूज़ डेस्क

रायपुर। हरेली के बाद मुख्यमंत्री निवास में एक बार फिर त्यौहारी धूम रही। तीजा-पोला के अवसर पर सीएम हाउस को परंपरागत ग्रामीण परिवेश में सजाया गया। त्यौहार मनाने प्रदेशभर से बड़ी संख्या में महिलाएं पारम्परिक वेशभूषा में मुख्यमंत्री निवास पहुंची। इन महिलाओं की खुश उस वक्त और ज्यादा बढ़ गई, जब उनके खाते में महतारी वंदन की राशि अंतरित हुई। महतारी योजना के तहत आज 7वीं किश्त का उपहार पोला पर्व के अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने दिया। दिनभर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम और पारम्परिक खेलकूदों का आयोजन होता रहा। इस दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने सुपोषण रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। महिलाओं ने अपने बच्चों को अच्छा पोषण देने की शपथ ली। श्री साय ने इस दौरान राष्ट्रीय पोषण माह के पोस्टर का विमोचन भी किया।

मुख्यमंत्री निवास में आज तीजा पोला के साथ ही महतारी वंदन का त्यौहार भी मनाया गया। घर के आंगन को नंदिया-बइला और खिलौनों से बेहतरीन व आकर्षक तरीके से सुसज्जित किया गया था। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के पारंपरिक खेलों फुगड़ी, कुर्सी दौड़ और रस्सी खींच का आयोजन भी किया गया। बड़ी संख्या में पहुंची महिलाओं में खेलों के प्रति खासा उत्साह देखने को मिला। त्यौहारी आयोजन में लोक कलाकारों ने भी आकर्षण का तड़का लगाया। लोक गायिका आरु साहू के छत्तीसगढ़ी गीतों ने महिलाओं को झूमने पर विवश कर दिया। दोपहर तक आयोजन पूरे उफान पर था। रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति लोगों का मन मोहती रही। संगीतमय प्रस्तुतियों में महिलाएं थिरकती नजर आई। सीएम हाउस में आज महिलाओं में गजब का उत्साह देखने को मिला।

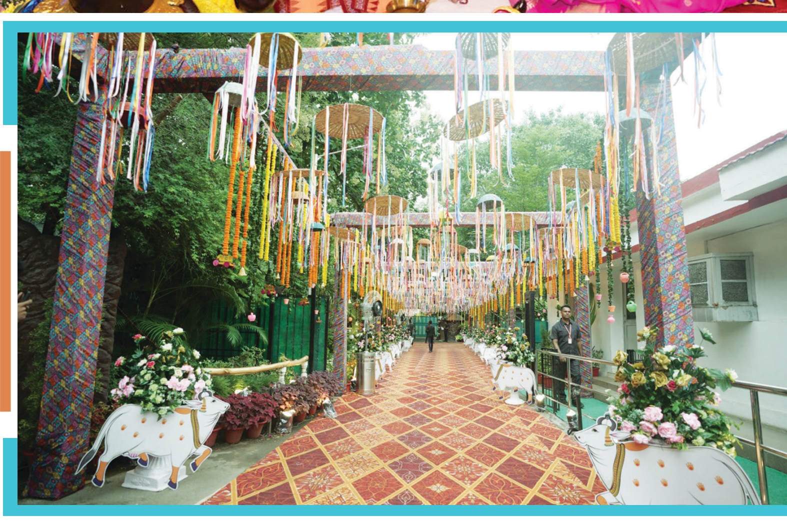

गौरतलब है कि 'विष्णु भैया संग तीजा-पोरा महतारी वंदन तिहार' के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का रायपुर निवास रविवार से ही सजने लगा था। मुख्यमंत्री निवास में आज पूर्वान्ह 11 बजे से 1 बजे तक तीजा-पोरा महतारी वंदन तिहार का आयोजन किया गया। इससे पहले मुख्यमंत्री श्री साय ने कल शाम अपने निवास पर तिहार की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने अतिथियों की बैठक व्यवस्था, पूजा स्थल, मंच आदि व्यवस्थाएं देखीं। इस अवसर पर वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी, मुख्यमंत्री के सचिव पी. दयानंद और बसवराजु एस. भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री निवास की छत्तीसगढ़ की परम्परा और रीति-रिवाज के अनुसार साज-सज्जा की गई। रंग-बिरंगे वंदनवारों, फूलों से आयोजन स्थल को सजाया गया। मिट्टी के खूबसूरत नंदिया बइला और रंगीन खिलौनों से पूजा स्थल को आकर्षक स्वरूप दिया गया। यहां भगवान शिव और नंदिया बैला की आकर्षक प्रतिमा भी बनाई गई।

मेंहदी, लाख की चूड़ियां और करु भात भी..

महिलाओं के हाथों में मेंहदी लगाने से लेकर उनके लिए रंगबिरंगी चुड़ियों की भी व्यवस्था की गई थी। इसके अलावा निवास में पहुंचने वाली माताओं-बहनों के लिए करु भात के साथ ही पारंपरिक भोजन के भी इंतजाम थे। मुख्यमंत्री निवास में तीजा पोरा त्यौहार मनाने आई महिलाओं को अपने विष्णु भैया से उपहार में लाख की चूड़ियां मिलीं। यहां आए कारीगर महिलाओं को उनकी नाप की चूड़ियां तैयार करके देते नजर आए। बता दें कि मुख्यमंत्री निवास में पूर्व में भी स्थानीय त्यौहारों को मनाया जाता रहा है, लेकिन यह पहला अवसर है जब छत्तीसगढ़िया त्यौहारों को इतनी धूमधाम और व्यापक तरीके से मनाया जा रहा है। चमक खोते स्थानीय त्यौहारों ने सीएम हाउस में आयोजित हो रहे कार्यक्रमों ने नई जान फूंकी है।

बुलडोजर एक्शन पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

कहा- आप किसी का घर कैसे गिरा सकते हैं?

नईदिल्ली (एजेंसी)। विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा किए जा रहे बुलडोजर एक्शन पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त नाराजगी जाहिर की है। एक याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि क्या कोई किसी का भी घर सिर्फ इसलिए तबाह कर सकता है, क्योंकि वह आरोपी है? सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर कोई आरोपी दोषी भी पाया जाता है तो उसका घर बिना तय कानून के तबाह नहीं किया जा सकता।

जस्टिस बीआर गवई ने मुस्लिम संगठन जमीयत उलेमा-ए-हिंद की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा, 'सिर्फ इसलिए घर कैसे गिराया जा सकता है कि वह आरोपी है? अगर वह दोषी है तो भी घर नहीं गिराया जा सकता। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन को बताने के बाद भी...हमें रवैये में कोई बदलाव नहीं दिख रहा।' याचिका पर सुनवाई कर रही पीठ में शामिल जस्टिस केवी विश्वनाथन ने कहा कि 'किसी को भी कमियों का फायदा नहीं उठाना चाहिए। पिता

का बेटा अड़ियल या आज्ञा न मानने वाला हो सकता है, लेकिन अगर इस आधार पर घर गिराया जाता है, तो यह तरीका नहीं है।

केंद्र सरकार का तर्क-कानून का उल्लंघन करने पर ही होती है कार्रवाई

सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दलील दी कि कानून का उल्लंघन होने पर घरों को गिराया जा रहा है। उन्होंने कहा, 'हम तभी कार्रवाई करते हैं जब कानून का उल्लंघन होता है।' इसके जवाब में पीठ ने कहा, 'लेकिन शिकायतों को देखते हुए, हमें लगता है कि उल्लंघन हुआ है।' न्यायमूर्ति विश्वनाथन ने पूरे राज्य में अनधिकृत इमारतों को ध्वस्त करने के लिए एक दिशानिर्देश की आवश्यकता पर भी गौर किया। न्यायमूर्ति गवई ने कहा, 'सुझाव आने दीजिए। हम अखिल भारतीय स्तर पर दिशानिर्देश जारी करेंगे।

17 सितंबर को सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह किसी भी अवैध निर्माण को संरक्षण नहीं देगा। हम पूरे देश के लिए दिशा-निर्देश निर्धारित करने पर विचार कर रहे हैं। मामले की सुनवाई 17 सितंबर को तय की गई। दरअसल, बुलडोजर एक्शन के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिकाएं दायर की गई थी। इन्हीं याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने ये टिप्पणी की।

संपादकीय

लंबी उम्र के उपाय

सदियों से इंसानों की यह कोशिश रही है कि आयु को बढ़ने से कैसे रोक दिया जाए। आयु ही नहीं, बल्कि मृत्यु को भी टालने की तमन्ना आदि काल से बरकरार है। इसमें कोई शक नहीं है कि विगत एक सदी में इंसानों ने अपने जीवन को औसतन दोगुना लंबा कर लिया है। अभी भी अधिकतम 120 वर्ष की आयु तक लोग जीते पाए जाते हैं। उम्रदराज लोगों की संख्या दुनिया में बढ़ी है, पर चिकित्सकों के साथ ही अनेक वैज्ञानिकों की यह कोशिश भी जारी है कि आमतौर पर लोगों को जल्दी बूढ़ा होने से रोका जाए। बुढ़ापे को कैसे टाला जा सकता है, यह एक गहरे अध्ययन का विषय रहा है।

> हाल में जारी नेचर हिट्स द बुक्स के नवीनतम एपिसोड में नोबेल विजेता वेंकी रामकृष्णन ने उम्र बढ़ने की अंतर्निहित आणविक प्रक्रियाओं पर गहराई से प्रकाश डाला है और बताया है कि दीर्घायु की तलाश में स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। ज्यादा जीने के साथ ही अच्छा जीना भी आज दिलचस्प विषय है। अच्छी जीवन शैली, साफ परिवेश, शुद्ध खान-पान और चिकित्सा सुविधाओं का लाभ उठाने की अनिवार्यता का बढ़ना तय है।

विज्ञान पत्रिका नेचर में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, एआई की मदद से एक ऐसी मस्तिष्क घड़ी का निर्माण हुआ है, जो यह बता सकती है कि किसी व्यक्ति का मस्तिष्क उसकी आयु की तुलना में ज्यादा तेजी से बूढ़ा हो रहा है या नहीं। दरअसल, ज्यादा समय तक युवा रहने के लिए दिमाग का युवा रहना जरूरी है। यह खास घड़ी बताती है कि अधिक असमानता वाले देशों और लैटिन अमेरिकी मुल्कों में दिमाग तेजी से बूढ़ा होता है। इस शोध के प्रमुख लेखक और सैंटियागो में एडोल्फो इबनेज यूनिवर्सिटी के न्यूरोसाइंटिस्ट ऑगस्टिन इबनेज कहते हैं कि जिस तरह से आपका मस्तिष्क बूढ़ा होता है, वह सिर्फ वर्ष से संबंधित नहीं है। यह इस बारे में भी बताता है कि आप कहां रहते हैं, क्या करते हैं, आपका सामाजिक-आर्थिक स्तर, आपके पर्यावरण में प्रदूषण का स्तर कैसा है।' शोधकर्ता यह भी स्पष्ट करते हैं कि कोई भी देश, जो लोगों के मानसिक स्वास्थ्य में निवेश करना चाहता है, उसे संरचनात्मक विषमताओं को पहले दूर करना चाहिए। अगर किसी देश में कुछ अमीर हैं और ढेर सारे गरीब, तो उस देश में आयु ज्यादा नहीं बढ़ेगी। जिस देश में आय की समानता ज्यादा होगी, वहां के लोगों को लंबी जिंदगी नसीब होगी।

यह खास रिपोर्ट नेचर मेडिसिन में भी प्रकाशित हुई थी और इसकी चर्चा स्वाभाविक ही ज्यादा हो रही है। ज्यादा जीना भला कौन नहीं चाहेगा? यह बात भी महत्वपूर्ण है कि आप अपने दिमाग का इस्तेमाल कैसे कर रहे हैं। अगर आपका दिमाग नई-नई चीजों से लगातार जुड़ रहा है, तो उसका उत्तरोतर समृद्ध होते जाना निश्चित है। यह देखा गया है कि बढ़ती उम्र के साथ लोगों का दिमाग बदलता जाता है और उनके पसंदीदा विषयों में कमी आने लगती है। क्या इस प्रक्रिया को रोका जा सकता है? क्या दिमाग को ज्यादा समय तक युवा रखा जा सकता है? वैज्ञानिकों को ठोस समाधान के साथ सामने आना चाहिए। ध्यान रहे, यह शोध 15 देशों में किया गया है। इनमें मेक्सिको, कोलंबिया, पेरू, क्यूबा, ब्राजील, चिली, अर्जेंटीना जैसे लैटिन या कैरेबियन देश और चीन, जापान, अमेरिका, इटली, ग्रीस, तुर्की, ब्रिटेन, आयरलैंड शामिल हैं। इसमें करीब 5,306 लोगों ने भाग लिया है। ऐसे अध्ययन की भारत में भी जरूरत है। यहां भी लोग ज्यादा जीना चाहते हैं।

ममता भाजपा की आँख की किरकिरी

ओमप्रकाश मेहता

केन्द्र की भारतीय जनता पार्टी सरकार के अश्वमेद्य यज्ञ का घोड़ा रोकने वाली पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बैनर्जी भाजपा की आँख की किरकिरी बनी हुई है, भारतीय जनता पार्टी का सपना पूरे देश के सभी राज्यों पर 'एकछत्र' राज स्थापित करना है, किंतु पश्चिम बंगाल और तेलंगाना जैसे राज्य बाधक बने हुए है, अब पश्चिम बंगाल के मौजूदा हालातों को देखते हुए लगता है कि भाजपा ने आर-पार की लड़ाई शुरू करने की ठान ली है और भाजपा विरोधी नेताओं से हर तरीके से निपटने की ठान ली है, इसी का ट्रेलर मौजूदा पश्चिम बंगाल में दिखाई दे रहा है, इसलिए भाजपा ने भी तय कर लिया है कि वे हर कानूनी गैर-कानूनी कदम उठाकर अपनी मनोकामना पूरी करेगें, इसके लिए उन्हें कुछ भी क्यों न करना पड़े? इसलिए यह संभावना व्यक्त की जा रही है कि पश्चिम बंगाल में भाजपा अपनी कौशिशों में कामयाब नही होती है तो वहां राज्यस्तरीय अशांति के नाम पर सरकार को भंग कर राष्ट्रपति शासन लगाया जा सकता है, जिसकी सिफारिश वहां के राज्यपाल केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मिलकर पहले ही कर चुके है।

अब यहां मुख्य सवाल यह पैदा होता है कि पश्चिम बंगाल में जिस घटना को लेकर राजनीतिक उठापटक की जा रही है, वैसी घटनाएं तो भाजपा शासित उत्तरप्रदेश जैसे राज्यों में कई घट चुकी है, फिर वहां पश्चिम बंगाल की मौजूदा तर्ज पर आंदोलन क्यों नही हुए, भाजपा शासित उत्तरप्रदेश तो अपराधों का सबसे बड़ा केन्द्र माना जाता रहा है, जहां के मुख्यमंत्री अब शांति का दावा कर रहे है, तो क्या वास्तव में उत्तरप्रदेश ''अपराध शून्य प्रदेश'' हो गया है, जबकि वहां के लोगों का यह कहना है कि वहां ऐसे अपराधों में कोई कमी नही आई है, उन्हें सार्वजनिक रूप देने पर सक्षम रोक लगाई गई है।

अब जहां तक पश्चिम बंगाल का सवाल है, वहां पिछले दो-तीन दिन से जो कुछ हो रहा है, उसके पीछे केवल और केवल भाजपा का ही हाथ बताया जा रहा है, वहां के छात्रों को इस विध्वंसक राजनीति का मोहरा बनायया गया है और इस सबका एकमात्र राजनीतिक उद्देश्य पश्चिम बंगाल को 'अशांत राज्य' बताकर वहां की सरकार को भंग कर वहां राष्ट्रपति शासन कायम करना है, अब तक का यह इतिहास रहा है कि केन्द्र में जिस दल की भी सरकार होती है, वह विरोधी पार्टी की राज्य सरकारों को इसी तरह गिरती आई है और राष्ट्रपति शासन कायम करती आई है, आज विपक्ष में विराजित कांग्रेस ने भी केन्द्र में सरकार रहते, विरोधी दलों की राज्य सरकारों पर अनेक बार यही सलूक किया है, इसलिए आज केन्द्र में विराजित सरकार पश्चिम बंगाल को लेकर जो सोच रही है, वह भारतीय राजनीति में कोई नया नही है।

पश्चिम बंगाल के बारे में कोर्ठ सख्त कानूनी कदम उठाने के पहले भारतीय जनता पार्टी इस पहलू पर भी गंभीर चिंतन कर रही है कि केन्द्र के इस कदम का अगले एक दो महीनों में होने वाले कुछ राज्यों के विधानसभा चुनावों पर क्या असर पड़ेगा, इसी मसले पर अभी भाजपा में गंभीर चिंतन जारी है, जिसकी बागडोर गृहमंत्री अमित शाह संभाल रहे है। इस प्रकार कुल मिलाकर मौजूदा समय इसलिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है कि क्योंकि भारत के राजनीतिक दल अपनी भावी योजनाओं के गंभीर चिंतन में वयस्त है तथा मुख्यत: भाजपा पूरे देश पर 'एकछत्र राज' स्थपित करने के मंसूबों में व्यस्त है, अब ऐसे में देश में विकास व जनहित की योजनाओं पर मंथन शून्य हो गया है।

(ये लेखक के विचार हैं)

नजरिया

सात शानदार तरीकों से हम पर असर डालेगी एआई

अब तक के इतिहास में कुछ तकनीकों ने इंसान को दूसरों की तुलना में कहीं अधिक प्रभावित किया है। यकीनन, आग को वश में करना वह पहली तकनीक थी, जिसके बाद कृषि, छपाई, बिजली, कंप्यूटिंग, इंटरनेट आदि का विकास संभव हो सका।

सप्रीत बिंद्रा, तकनीक विशेषज्ञ

इन तकनीकों को 'जीपीटी' भी कह सकते हैं, 'चैटजीपीटी' नहीं, बल्कि 'जेनरल पर्पस टेक्नोलॉजी', यानी सामान्य प्रयोजन की तकनीकें। मैं कृत्रिम बुद्धिमता, यानी एआई को भी इसी श्रेणी में रखता हूं, जो न सिर्फ कारोबार व अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने, बल्कि समाज, भू-राजनीति और मानवता को भी नया रूप देने में सक्षम है। मैं यहां उन सात तरीकों की चर्चा कर रहा हूं, जिनसे एआई जीवन को नया रूप देगी।

एक, एआई नया यूआई है। माइक्रोसॉफ्ट के संस्थापक बिल गेट्स ने यह पूछने पर कि हम मशीनों की ताकत का किस तरह उपयोग कर सकते हैं, यह बताया था कि कैसे कंप्यूटर के यूजर इंटरफेस (यूआई) में अनवरत हो रहा बदलाव इंसानों की उत्पादकता बढ़ाता रहा है। खासकर जेनरेटिव एआई के आने के बाद से हमारी आवाज ही नई यूआई बन जाएगी और हम मशीनों के साथ उसी तरह समन्वय बिठाकर काम कर सकेंगे, जैसे किसी अपने सहकर्मी के साथ करते हैं।

दूसरा, अब नए प्लेटफॉर्म एजेंट होंगे। गेट्स ने बताया कि कैसे बेकार एप की जगह अब वे एजेंट ले लेंगे, जो हमारी ओर से काम करने में सक्षम होंगे। जैसे, आज हम किसी यात्रा की प्लानिंग करते हैं, तो हमें कई एप या वेबसाइटें खंगालनी पड़ती हैं। आने वाले दिनों में एजेंट ही हमारी पसंद व प्राथमिकताएं देखकर यात्रा-कार्यक्रम बना देंगे और हमारी ओर से टिकट, होटल वगैरह भी बुक कर देंगे। चैटजीपीटी के जीपीटी स्टोर जैसे प्रोटो-एजेंट हमें दिखने भी लगे हैं।

तीसरा, 'सॉफ्टवेयर एज ए सर्विस' की जगह 'सर्विस एज ए सॉफ्टवेयर' होगा। मसलन, अभी क्विकबुक्स जैसी सॉफ्टवेयर एज ए सर्विस कंपनी कर सेवाओं के लिए अपने टूल बेचती है, पर वांछित नतीजे के लिए ग्राहक ही जिम्मेदार होता है, जबकि सर्विस एज ए सॉफ्टवेयर में वांछित परिणाम देने की जिम्मेदारी कंपनी की होगी, यानी आपको एक एआई अकाउंटेंट मिलेगा, जो आपकी जगह पर आपका टैक्स-रिटर्न भर देगा। चौथा, अंग्रेजी कोडिंग की नई भाषा है। गार्टनर के मुताबिक, एआई सिर्फ तकनीक नहीं, बल्कि कहीं ऊंची चीज है, क्योंकि यह इंसानों व मशीनों के बीच बातचीत के तरीके में बड़ा बदलाव लाती है। जेनरेटिव एआई द्वारा हम कंप्यूटर को अपनी भाषा में निर्देश दे सकते हैं, चाहे वह अंग्रेजी हो, हिंदी हो या अन्य कोई भाषा, यानी हमें मशीनों की भाषा सीखने की जरूरत नहीं, बल्कि मशीनों को हमारी भाषा समझने की जरूरत है। इससे उत्पादकता में बड़ी क्रांति आ सकती है, क्योंकि तब कोडिंग आम लोग भी कर सकते हैं।

पांचवां, नया एआई फोन साकार हो सकेगा। बेशक एआई वाले उपकरण पहले से बाजार में उपलब्ध हैं, पर मेरा मानना है कि एआई फोन आज के आईफोन से काफी अलग होगा। इसे स्पर्श के बजाय बोलकर कमांड दिया जा सकेगा। एप की जगह एजेंट ले लेंगे और एंड्रॉयड ऑपरेटिंग सिस्टम के बजाय हम इंसानी भाषा समझने वाले सिस्टम देखेंगे। छठा, अब मुख्य मानव संसाधन अधिकारी (सीएचआरओ) नए मुख्य सूचना अधिकारी (सीआईओ) बन जाएंगे। चूंकि जेनरेटिव एआई एक लोकतांत्रिक तकनीक है, इसलिए यदि हर कर्मचारी इसका इस्तेमाल करने लगे, तो व्यवसाय को काफी लाभ मिलेगा। जाहिर है, कर्मचारियों में एआई की समझ बढ़ाने की संस्कृति नेतृत्व को ही विकसित करनी होगी।

सातवां, एआई से इंसान की एक नई प्रजाति विकसित होगी। इजरायली लेखक युवाल नोआ हरारी की मानें, तो होमो सेपियन्स, यानी आधुनिक मानव एआई और जैव-प्रौद्योगिकी के बूते महामानव बन सकता है। इस प्रजाति को वह 'होमो डेस' कहते हैं। यहां 'डेस' का अर्थ है ईश्वर। हालांकि, इसे अतिरंजित बयान कहा जा सकता है, पर एलन मस्क जैसे लोग इस विचार के कायल हैं। साफ है, आगामी दिनों में एआई, जेनरेटिव एआई सामान्य प्रयोजन वाली तकनीकें बन जाएंगी, जो इंसानों व पृथ्वी के भविष्य को नया आकार दे सकेंगी। इसीलिए, हमें एआई-दक्ष बनने की दिशा में फौरन जुट चाहिए।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

जाँच एजेंसियों पर दुरुपयोग का आरोप

रजनीश कपूर

मोदी राज में यह चमत्कार हो रहा है कि सत्ता पक्ष से जुड़े लोगों पर तो प्राथमिक कार्यवाही भी नहीं होती किंतु विपक्ष के नेताओं पर हवा की गति से कार्यवाही होती है। कई मामलों में तो केवल गवाह के बयान पर ही मुख्य मंत्री और बड़े-बड़े नेताओं को सीखचों के पीछे महीनों और सालों के लिए डाल दिया जाता है। यह आश्चर्यजनक है। हाल ही में सरकार की इस प्रवृत्ति पर कुछ रोक लगती नज़र आई है। सन् 2014 से नरेंद्र मोदी ने जब देश के प्रधानमंत्री बनने की तैयारी में अपना प्रचार अभियान शुरू किया था तो भ्रष्टाचार के विरुद्ध उनका आह्वान था, न खाऊँगा और न खाने दूँगा। उनके प्रधानमंत्री बनने के बाद इसका असर भी फ़ौरन दिखाई दिया। केंद्र सरकार की नौकरशाही में यह संदेश गया तो ऐसा लगा जैसे अब जल्दी ही लाल फ़ीताशाही ख़त्म होगी। पर जैसे-जैसे समय बीतता गया, ये शुरुआती लक्षण ठंडे पड़ते गये। हालाँकि मोदी जी दो बार अपने बूते पर और तीसरी बार अन्य दलों की मदद लेकर सरकार की तीसरी पारी खेल रहे हैं।

पर इन वर्षों में जिस बात ने सभी को चौंकाया है वो यह है कि भ्रष्टाचार के विरुद्ध मोदीजी का यह अभियान केवल विपक्षी दलों तक ही सिमट कर रह गया है। उनमें से भी भ्रष्टाचार के आरोपों में घिरे जिस विपक्षी दल के नेता मोदी जी और अमित शाह के शरणागत हो जाते हैं उनके सौ ख़ून भी माफ़ कर दिये जाते हैं। इतना ही नहीं उन्हें संसद या मंत्री बना कर पुरुस्कृत भी किया जाता है। और इसके चलते मोदी सरकार की घर-घर बदनामी है। न सरकार की साख बची है और न जांच एंजेसियों की। मोदी-शाह की इस रणनीति के हथियार बने हैं केंद्रीय जाँच एजेंसियाँ, जो लगातार 'हिज़ मास्टर्स वॉइस' की तर्ज़ पर काम कर रही हैं। इसलिए लगातार विपक्ष उन पर जाँच एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगा रहा है, संसद में भी और संसद के बाहर भी। वैसे तो सीबीआई, आयकर विभाग और प्रवर्तन निदेशालय की छवि बड़े-बड़े मामलों को लम्बा खींचने या दबाए रखने की है।

पर मोदी राज में यह चमत्कार हो रहा है कि सत्ता पक्ष से जुड़े लोगों पर तो प्राथमिक कार्यवाही भी नहीं होती किंतु विपक्ष के नेताओं पर हवा की गति से कार्यवाही होती है। कई मामलों में तो केवल गवाह के बयान पर ही मुख्य मंत्री और बड़े-बड़े नेताओं को सीखचों के पीछे महीनों और सालों के लिए डाल दिया जाता है। यह आश्चर्यजनक है। हाल ही में सरकार की इस प्रवृत्ति पर कुछ रोक लगती नज़र आई है। बीते कुछ महीनों में जिस तरह सुप्रीम कोर्ट ने भ्रष्टाचार के कई मामलों पर देश की जाँच एजेंसियों और सरकार को आड़े हाथों लिया है उससे यह संदेश गया है कि जाँच एजेंसियाँ राजनैतिक दबाव में काम कर रहीं हैं, निष्पक्षता से क़ानून के दायरे में नहीं। मान्य सिद्धांत यह है कि आरोपी चाहे किसी भी दल या विचारधारा को क्यों न हो, यदि उसने अपराध किया है तो उसकी जाँच निष्पक्षता से ही की जानी चाहिए। बेवजह किसी भी आम या ख़ास अपराधी को क़ानून की ग़लत धारा लगा कर जेल में रखना ग़लत है। उसी तरह किसी ख़ास रुतबे वाले कुख्यात अपराधी को भी क़ानून की धाराओं का ग़लत इस्तेमाल कर पैरोल दिलवाना भी ग़लत है। ज़ाहिर सी बात है कि जाँच एजेंसियों द्वारा ऐसी ग़लतियाँ बिना किसी दबाव के नहीं होती।

ताज़ा उदाहरण दिल्ली शराब नीति घोटाले का है। जिस तरह शराब नीति घोटाले को लेकर आरोपी नेता एक के बाद एक ज़मानत पर छूट रहे हैं उससे जाँच एजेंसियों की 'जाँच' को लेकर सवाल उठ रहे हैं। चुनावों से पहले और चुनावों के दौरान यह माहौल बनाया जा रहा था कि इन नेताओं का अपराध काफ़ी संगीन है, इसीलिए इन्हें ज़मानत नहीं मिल रही। परंतु लंबे समय तक कछुए की चाल चल रही इस मामले की 'जाँच' ने इन एजेंसियों की क्षमता को शक के घेरे में अवश्य खड़ा कर दिया है। वहीं सुप्रीम कोर्ट के कड़े रुख़ और सख़्त आदेश के बाद जाँच एजेंसियों द्वारा अपनाए गए दोहरे मापदंड का भी पर्दाफ़ाश हुआ। यदि जाँच एजेंसियाँ सभी आरोपियों को एक ही पैमाने से माँपेंगी तो जनता के बीच सही संदेश जाएगा, सिसोदिया हो, केजरीवाल हो, संजय राउत हो, या अन्य कोई आम आदमी, क़ानून की नज़र में सभी एक समान हैं। पर यह भी विचारणीय है कि सुप्रीम कोर्ट ने इन वीआईपी आरोपियों के मामले में ये रुख़ पहले क्यों नहीं अपनाया?

उल्लेखनीय है कि केंद्रीय जाँच एजेंसियों पर निगरानी रखने के लिए 1997 के 'विनीत नारायण बनाम भारत सरकार' (जैन हवाला कांड केस) के फ़ैसले ने केंद्रीय सतर्कता आयोग का पुनर्गठन किया था। जाँच एजेंसियों को निष्पक्ष और राजनैतिक दबाव से मुक्त करने की दृष्टि से यह एक ऐतिहासिक फ़ैसला था। ज़ाहिर सी बात है कि तमाम राजनैतिक दलों ने इसका विरोध भी किया। लेकिन उसके फ़ौरन बाद ही से जिस तरह जाँच एजेंसियों को 'पिंजरे में बंद तोता' और 'सत्तापक्ष के हथियार' के नामों से नवाज़ा गया है, यह लोकतंत्र के लिए उचित नहीं था।

इसलिए यदि जाँच एजेंसियों को अपनी छवि सुधारनी है तो उन्हें भय मुक्त हो कर ही कार्य करना होगा। जाँच अधिकारी, चाहे छोटे पद पर हो या बड़े पद पर, उसे इस बात के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए कि यदि उसने किसी केस की जाँच को लेकर, किसी नेता के मन की नहीं मानी तो हद से हद उस अधिकारी का तबादला ही हो होगा। परंतु यदि वो अधिकारी केस की फाइल पर सभी क़ानूनी तथ्यों को सही से दर्ज कर देता है तो कोई भी अधिकारी उसके ख़िलाफ़ नहीं जा सकता। उम्मीद की जानी चाहिए कि देश में आज भी ऐसे ईमानदार अधिकारी होंगे जो तबादले के डर से भयभीत हुए बिना अपना काम निष्ठा से करना जानते हैं। समय की माँग है कि ऐसे अधिकारी महत्वपूर्ण केसों में सही तथ्यों को दर्ज कर केस फाइल के ज़रूरी पन्नों पर अपनी निष्पक्ष राय अवश्य दर्ज कराएँ। भविष्य में जब भी कभी केस फाइल की जाँच किसी निष्पक्ष समिति द्वारा की जाएगी तो दूध का दूध और पानी का पानी अपने आप सामने आ जाएगा। ऐसे में एक स्वस्थ लोकतंत्र के लिए जाँच एजेंसियों का निष्पक्ष और दबाव मुक्त होना अनिवार्य है।

(ये लेखक के विचार हैं)

पॉक्सो के असर पर बहस

बदलापुर की घटना ने पोक्सो के असर पर बहस छेड़ दी है। बच्चों को यौन अपराधों से बचाने के लिए ये कानून 2012 में बना था। लेकिन साफ है कि इस कानून पर उचित अमल सुनिश्चित करने में हमारी व्यवस्था नाकाम रही है। बॉम्बे हाई कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद बदलापुर कांड को लेकर आयोजित विपक्ष का महाराष्ट्र बंद टल गया, लेकिन इस घटना को लेकर राज्य में फैले आक्रोश पर विराम नहीं लगा है। इस घटना से जाहिर हुआ कि स्कूलों में बच्चियों की सुरक्षा आज भी कितनी लचर है। यह टिप्पणी खुद अदालत ने की है कि स्कूलों में बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं की जा सकती, तो फिर शिक्षा के अधिकार का क्या मतलब रह जाता है।

महाराष्ट्र में ठाणे के बदलापुर में स्थित एक स्कूल में प्री-प्राइमरी क्लास में पढ़ने वाली चार साल की दो बच्चियों के यौन उत्पीड़न होने की खबर आई। बताया जाता है कि ये घटना स्कूल के टॉयलेट में 12 और 13 अगस्त को हुई। यौन उत्पीड़न का आरोप स्कूल में काम करने वाले क्लीनर अक्षय शिंदे पर लगा। पीड़ित परिवार का आरोप है कि पुलिस ने कार्रवाई करने में देरी की। पुलिस ने 16 अगस्त को जाकर एफआईआर दर्ज की। उसके बाद आरोपी को गिरफ्तार किया गया। ये खबर फैलते ही बदलापुर में जन आक्रोश भड़क उठा। हजारों लोगों की भीड़ ने इंसाफ की मांग करते हुए वहां के रेलवे ट्रैक को जाम कर दिया, जिस वजह से घंटों तक ट्रेन सेवाएं बाधित रहीं। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हटाने के लिए लाठीचार्ज किया और कुछ लोग गिरफ्तार किए गए, जिन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

इस घटना ने प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रन फ्रॉम सेक्सुअल ऑफेन्स एक्ट (पॉक्सो) के असर पर बहस छेड़ दी है। नाबालिग बच्चों को यौन अपराधों से सुरक्षित रखने के लिए ये कानून 2012 में बनाया गया था। लेकिन साफ है कि इस कानून पर उचित अमल सुनिश्चित करने में हमारी व्यवस्था नाकाम रही है। पॉक्सो बहुत कठोर कानून है, लेकिन ट्रेनिंग और जागरूकता के लिहाज से जो होना चाहिए, वह नहीं हो पाया रहा है। हर ऐसी वीभत्स घटना के बाद अधिक सख्त कानून की मांग उठती रही है। 2012 के बाद ऐसे कई कानून बनाए गए। लेकिन उन कानूनों पर अमल सुनिश्चित ना हो, तो उनकी उपयोगिता क्या रह जाएगी? बदलापुर की घटना ने फिर ये सवाल हमारे सामने ला खड़ा किया है।

(आरएनएस)

अपनी रक्षा करना तो सबको आना चाहिए

सुनील दास

देश में अपराध बढ़ रहे हैं, लूटमार के लिए हमले बढ़ रहे है, लोग घर व बाहर सुरक्षित नहीं है। लोगों में असुरक्षा का भाव बढ़ा है। अपनी सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ी है।कहने सुनने में अच्छा लगता है कि जनता के जानो-माल की सुरक्षा की जिम्मेदारी सरकार की है पुलिस की है। हकीकत यह है कि एक एक आदमी की सुरक्षा के लिए पुलिस लगाई नहीं जा सकती। आबादी बढ़ती जा रही है लेकिन उसके हिसाब से सुरक्षा व्यवस्था हो नहीं पाती है, अपराधियों को तो जहा मौका मिलता है, वह अपराध करने से चूकते नहीं है।

जो मौके पर मिल गया उसे लूट लेते हैं, वह नहीं देखते हैं कि कोई ठेले-खोमचे वाला है, कोई रिक्शा चलाने वाला है, कोई नौकरी कर घर जा रहा है।कोई पैसे लूट लेता है, कोई सोने की चेन छीन कर भाग जाता है, कोई और कुछ नहीं तो मोबाइल लूट लेता है। कहने को यह छोटे छोटे अपराध हैं, लेकिन यही छोटे-छोटे अपराध करने वाले एक दिन बड़े अपराध करते हैं। वह किसी को नहीं छोड़ते हैं। अपराधी तो साधु संतो को भी नहीं छोड़ते हैं।जैन समाज के साधु संतों पर हमले की घटनाएं बढ़ने से जैन समाज उनकी सुरक्षा को लेकर चिंतित है। शहर के भीतर तो समाज उनकी सुरक्षा की व्यवस्था कर सकता है लेकिन जैन समाज साधु संत, साध्वी देश भर में पैदल ही यात्रा करते हैं, कई जगह उनकी सुरक्षा की व्यवस्था नहीं हो पाती है। इसलिए जैन समाज ने साधु-साध्वियों को आत्मरक्षा के लिए पेपर स्प्रे देने का फैसला किया है तो यह वक्त की जरूरत है, अब तक साधु-साध्वियों पर हमले नहीं हो रहे थे तो उनको इस तरह की सुरक्षा की जरूरत नहीं थी। अब साधु-साध्वियां भले ही आत्मरक्षा के लिए पेपर स्प्रे की जरूरत महसूस न कर रहे हों लेकिन उनकी सुरक्षा के लिए चिंतित समाज तो जरूरत महसूस कर रहा है। प्रकाशित एक खबर के मुताबिक साधु-साध्वियों के यह पेपर स्प्रे अखिल भारतीय मूर्तिपूजक तपागच्छ महासंघ ने तैयार करवाया है। देश भर में 500 गुर भगवंतो के ग्रुप में सात हजार साध-साध्वियों की सुरक्षा के लिए पहुंचाया जा चुका है। दो महीने में देश भर में साधु-साध्वियों तक पहुंचाया जाएगा ताकि कभी कोई हमला करे तो वह अपनी सुरक्षा तो कर सकें। जैन साधु-साध्वियां अहिंसा के मार्ग पर चलने वाले होते हैं,वह अपनी सुरक्षा के लिए हथियार नहीं रख सकते, इसलिए उनकी सुरक्षा के लिए समाज ने पेपर स्प्रे तैयार किया है। उन तक पहुंचाया है। खबर के मुताबिक हमले की घटनाओं को देखते हुए एक दो हजार साधु-साध्वियों के लिए कराते प्रशिक्षण का प्रबंध करने की तैयारी है। यह प्रशिक्षण आने वाले दिनों में शुरू हो सकता है।बताया जाता है कि सूरत में 50 से अधिक साधु साध्वियों के लिए अभा श्वेतांबर मूर्तिपूजक तपागच्छ महासंघ ऐसे प्रशिक्षण करवा चुका है। पहले जरूरत नहीं थी,लोगों में ऐसे संस्कार होते थे कि साधु-साध्वियों का सभी सम्मान करते थे, उन पर कोई हमला नहीं करने की सोचता नहीं था, आज तो हमले हो रहे हैं, इसलिए उनकी सुरक्षा के उपाय करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

किसी देश समाज की सुरक्षा के लिए सबसे अच्छा उपाय तो यही है कि सभी को अपनी सुरक्षा करना आना चाहिए। कोई हमला करे, चोट पहुंचाया चाहे तो अपने शरीर व प्राण की रक्षा कर सकें। अपने शरीर व प्राण की रक्षा करना हमारे देश में कभी हिंसा नहीं कहा गया है। अपनी रक्षा करना तो आदमी का धर्म माना गया है। सच तो यह है कि जिसे अपनी रक्षा करना आता है,उसे अपने परिवार, समाज, देश व धर्म की रक्षा करना आता है। जो अपनी रक्षा कर सकता है,वही अपने धर्म की रक्षा कर सकता है। प्रकृति ने सबको अपनी रक्षा करने की क्षमता दी है। सभी जीव जंतु जैसी क्षमता है, वैसे अपनी रक्षा कर लेते है। मनुष्य समाज ने भी अपनी रक्षा के लिए कई कलाएं विकसित की हैं।हर देश में आत्मरक्षा की अपनी कला होती है, भारत में भी अपनी रक्षा करने की अनेक कलाएं है। मनुष्य के लिए जो आसान है, वह सीख सकता है और अपनी रक्षा कर सकता है।अब महात्मा गांधी का दौर नहीं रहा, न हीं वैसे लोग बचे हैं जो एक गाल पर थप्पड़ मारने पर दूसरा गाल आगे कर दें और मारने वाला शर्मिंदा हो जाए। अब नरेंद्र मोदी का दौर है जो कहते हैं कि आपको अपनी रक्षा करना इस तरह आना चाहिए कि कोई आप को एक थप्पड़ न मार सके। राहुल गांधी का दौर है जो कहते हैं कि हमारे देश के लोगों को जिउ-जित्सू,ऐकिडो,अहिंसक समाधान टेक्निक के मिश्रण से जेंटल आर्ट आना चाहिए,नहीं आता है तो सीखना चाहिए ताकि आप कभी भी अपनी रक्षा कर सको।।यह वक्त है हर किसी को अपनी सुरक्षा करना आना चाहिए। इसके लिए समाज,सरकार को लोगों को आत्म रक्षा का प्रशिक्षण स्कूल में देना चाहिए और सीखना अनिवार्य करना चाहिए। ऐसा करने पर ही परिवार, समाज. देश व धर्म सुरक्षित रह सकेगा।

(ये लेखक के विचार हैं)

रमन आई. टी. आई.
Affiliated By N.C.V.T. & D.G.T. R.N.-6/35/4/2016
बाबा दीप सिंह नगर, वैशाली नगर, भिलाई
कोपा
कम्प्यूटर ऑपरेटर एंड प्रोग्रामिंग असिस्टेंट
पाठ्यक्रम अवधि -1 वर्ष
TALLY & GST FREE
स्टेनो
हिन्दी
पाठ्यक्रम अवधि -1 वर्ष
TALLY & GST FREE
100% JOB ORIENTED
ADMISSION OPEN
7773027492, 7389471941
शासन द्वारा छात्रवृत्ति

श्रीकंचनपथ

भिलाई-दुर्ग

ITR फाईल बनवाएं मात्र 499/-
• TDS रिफंड • GST रजिस्ट्रेशन • इनकम TAX फाइल
• प्रोजेक्ट रिपोर्ट • MSME रजिस्ट्रेशन • GST रिटर्न फाइल
• CMA DATE • फूड लाइसेंस • BALANCE SHEET
हमारे TAX EXPERT आपकी मदद हेतु तैयार हैं
संपर्क : शेखर गुप्ता, मो. 93007-55544, 8878655544
D-6 सेक्टर-2, गुरुद्वारा के सामने देवेन्द्र नगर रायपुर

खास खबर

बीज उत्पादन कार्यक्रम संपन्न

दुर्ग। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल के निर्देशन से कृषि विज्ञान केन्द्र पाहंदा में दुर्ग जिले के किसानों के बीज उत्पादन कार्यक्रम समापन कार्यक्रम में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर के निदेशक विस्तार सेवायें डॉ. एस.एस. टूटेजा ने जिले के किसान प्रशिक्षणार्थी के समस्त प्रश्नों जैसे बीज की ग्रेडिंग मशीन लगाने की प्रक्रिया, बीज प्रमाणीकरण के लिये पंजीयन प्रक्रिया, बीज निरस्त होने पर किसानों को नुकसान हो तो क्या करना है, जैविक बीज बनाने के लिये प्रमाणीकरण की प्रक्रिया, जैविक बीज भंडारण में सावधनियां, जैविक फसल में कोई रसायन मिला हो तो कैसे जांच हो, बीजों के भर्ती के लिये बोरी जूट की हो या प्लास्टिक बोरी का उपयोग किया जाए, बोरे की व्यवस्था किसके माध्यम से किया जायेगा जैसे कई प्रश्नों की तकनीकी जानकारी प्रदान की। छः दिवसीय इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 28 किसानों ने भाग लिया इस कार्यक्रम में किसानों को जैविक धान उत्पादन की पंजीयन प्रक्रिया, जैविक बीज उत्पादन, जैविक धान विक्रय के लिये एफपी.ओ. की भूमिका पर भी चर्चा हुई। इसके पूर्व डॉ. ईश्वरी कुमार द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र के ग्रेडर ईकाई जहां बीज संशाधित किया जाता है का प्रायोगिक प्रदर्शन किसानों को कराया गया। कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रमुख डॉ. विजय जैन में आगामी फसलों जैसे सरसों, चना, आदि के लिए तकनीकी ज्ञान उपलब्ध कराने का किसानों को आश्वस्त किया।

राज्य स्तरीय ब्रेनिस अबकस प्रतियोगिता स्टेज 3 लेबल में दुर्ग के शिवांश गौतम ने तीसरा स्थान पर मारी बाजी

दुर्ग। ब्रेनिस अबकस के तत्वाधान में रविवार को रायपुर स्थित अग्रसेन धाम में आयोजित राज्य स्तरीय अबकस प्रतियोगिता स्टेज 3 लेबल ब्रेनिस में शिवांश गौतम के द्वारा तीसरा स्थान प्राप्त करते हुए दुर्ग शहर नगर का गौरव बढ़ाया शिवांश गौतम कृष्णा पब्लिक स्कुल पुलगांव चौक दुर्ग के प्रतिभावान छात्र हैं जो कि कक्षा चौथी में अध्ययनरत हैं, सहायक अभियंता नगर वृत्त कार्यालय में कार्यरत ऋतुराज गौतम एवं सेजस सेलूद में पदस्थ प्रधान अध्यापिका डॉ रितिका गौतम के सुपुत्र हैं। उक्त उपलब्धि के लिए शिवांश गौतम के द्वारा अपने प्रशिक्षक अमन सर, अमित सर एवं माता-पिता के प्रति आभार व्यक्त किया जिनके अथक परिश्रम और मेहनत के कारण ही आज वो इस उपलब्धि को हासिल कर पाये। सफलता प्राप्ति के पश्चात् जब शिवांश गौतम अपने निवास स्थान पहुंचे तब उनके नानी,बड़ी मम्मी पापा, मामा-मामी एवं भाई बहनों के द्वारा जोश एवं उमंग से स्वागत कर विजयी आर्शीवाद प्रदान किया।

कंडरापारा में सामुदायिक भवन बनेगा, विधायक ने की घोषणा

दुर्ग। कंडरापारा में सर्वसुविधायुक्त सामुदायिक भवन बनेगा। यहां शिवमंदिर के कार्यक्रम में पहुंचे विधायक गजेंद्र यादव ने वार्डवासियों के समक्ष घोषणा की। उन्होंने कहा कि वार्ड 34 में भवन की लंबित मांग जल्द पूरी हो जाएगी। भवन बनने से घरेलू व सामाजिक कार्यक्रमों के लिए आसानी होगी। कंडरापारा में नवनिर्मित शिव मंदिर का वार्ड के नागरिकों ने हवन पूजन कर लोकार्पण किया। विधायक गजेंद्र यादव ने भगवान भोलेनाथ की पूजा कर आशीर्वाद लिया। इस दौरान वार्डवासियों ने सामुदायिक भवन बनाने की मांग की। बताया कि भवन नहीं होने से सुख-दुख के काम में बारिश में परेशानी होती है। रास्ता घेरकर कार्यक्रम कराना पड़ता है। इस पर विधायक ने तत्काल घोषणा की। वार्डवासियों ने खुशी जाहिर करते विधायक व विष्णुदेव सरकार का आभार जताया। कार्यक्रम में पार्षद कमल देवांगन, कांशीराम कोसरे, कुलेश्वर साहू, मनीष साहू, अनूप गटागट, सीमा कंडरा, अंजनी निर्मलकर, जानकी, गंगा ढीमर, दशरथ, शिव सिन्हा, भोला मरकाम, मोहन मानिकपुरी सहित वार्डवासी मौजूद रहे।

कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी के विरोध में आया छत्तीसगढ़ सिख समाज

छत्तीसगढ़ में फिल्म को बैन करने की मांग, सिखों को गलत तरीके से पेश करने का आरोप

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। अभिनेत्री व सांसद कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी लगातार विवादों में पड़ती जा रही है। रिलीज होने से पहले इस फिल्म को लेकर सिख समाज नाराजगी जता चुका है। इसी कड़ी में अब छत्तीसगढ़ में भी इमरजेंसी का विरोध शुरू हो गया है। छत्तीसगढ़ सिख समाज इस फिल्म पर बैन लगाने की मांग कर रहा है। रविवार को समाज ने एक बैठक कर सरकार इस फिल्म को छत्तीसगढ़ से बैन करने की मांग की। यदि ऐसा नहीं हुआ तो समाज ने उग्र आंदोलन की चेतावनी भी दी है।

दरअसल सिख समाज का मानना है कि इमरजेंसी में सिखों से संबधित गलत जानकारियां व घटनाएं दिखाई गई हैं। फिल्म में सिख समाज को आतंकवादी बताया जाना और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के सीन के साथ-साथ फिल्म अभिनेत्री एवम सांसद कंगना रनौत के बयानों पर आपत्ति करते हुए छत्तीसगढ़ में भी सिख समाज आंदोलन करने की तैयारी में है। जिसके लिए राजधानी रायपुर के गुरु तेग बहादुर हाल में सभी गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटियों एवम सिक्ख समाज की संस्थाओं तथा समाज के प्रमख व्यक्तियों की उपस्थिति में चर्चा की गई।

छत्तीसगढ़ में भी फिल्म अभिनेत्री एवं सांसद कंगना रनौत के बयानों एवं उनके द्वारा निर्मित फिल्म इमरजेंसी को लेकर सिख समाज में रोष व्याप्त है, फिल्म इमरजेंस ी का विरोध करते हुए फिल्म के प्रदर्शन पर रोक लगाने सिक्ख समाज द्वारा विरोध प्रदर्शन की रूपरेखा तय की गई। बैठक में सभी ने एक मत से कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी के प्रसारण पर रोक लगाने एवं फिल्म प्रदर्शन न होने देने का निर्णय लिया है। 7 उपस्थित सभी सदस्यों के निर्णय के अनुसार इस बाबत प्रदेश के राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री से मुलाकात कर ज्ञापन सौंप कर प्रदेश में कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी को प्रतिबंधित करने की मांग की जाएगी।

पूरे देश में सिख समाज विरोध

उल्लेखनीय है कि कंगना रनौत के बयानों और उसकी फिल्म में सिख समाज के बारे में दिखाए जाने वाली घटनाओं से नाराज पूरे देश के सिख समाज द्वारा विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है 7 सिखों की सबसे बड़ी संस्था शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी द्वारा भी इस बाबत फिल्म सेंसर बोर्ड को पत्र लिखा गया है साथ ही कोर्ट में याचिका भी दायर की गई है। छत्तीसगढ़ में भी सिख समाज एकजुट होकर कंगना रनौत एवं उसकी फिल्म इमरजेंसी का विरोध कर रहा है। सिख समाज की इस बैठक में प्रमुख रूप से सरदार गुरमीत सिंह सैनी, जसपाल सिंह साहनी, गुलबीर सिंह भाटिया, स्रह्र. टुटेजा, राजवंत सिंह गारेवाल, सुखबीर सिंघोत्रा, सुरेंद्र सिंह, त्रिलोचन सिंह काले, जगजीत सिंह, अमर सिंह वाधवा, बलविंदर सिंह चंडोक, राजू गुंबर, भूपेंद्र सिंह, मोनू सिंह सलूजा, रवितेज सिंह घेई सहित समाज के अनेक लोग उपस्थित रहे।

भाजपा के सदस्यता अभियान की तैयारी जोरों पर

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। भाजपा की राष्ट्रव्यापी सदस्यता अभियान की तैयारी जोरों पर है । कल 2सितंबर को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बीजेपी की सदस्यता ग्रहण करते ही वृहद सदस्यता अभियान प्रारंभ हो जाएगा। इसकी तैयारी को लेकर केंद्र व प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार जिला व मंडल स्तर पर कार्यशाला के आयोजन के बाद अब शक्ति केंद्र में भी कार्यशाला आयोजित कर ऑन लाईन सदस्यता अभियान के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है।

इसी परिपेक्ष्य में चंडी शीतला मंडल भाजपा अंतर्गत तकिया पारा शक्ति केंद्र के कुरैशी भवन में जिला भाजपा प्रवक्ता व शक्ति केंद्र प्रभारी दिनेश देवांगन की प्रमुख उपस्थिति में बूथ अध्यक्षों व अल्प्रांख्यक मोर्चे के प्रमुख कार्यकर्ताओ की बैठक हुई जिसमें पार्टी के सदस्यता अभियान में अल्प संख्यक वर्ग के लोगो को भी जोड़कर अधिक से अधिक सदस्य बनाने का निर्णय लिया गया । बैठक की अध्यक्षता मंडल भाजपा अध्यक्ष विजय ताम्रकार ने किया बैठक में जिला भाजपा कार्यालय मंत्री व शक्ति केंद्र सह प्रभारी अनूप सोनी मंडल मंत्री विकास सेन अल्प संख्यक मोर्चा मंडल अध्यक्ष फारुख चौधरी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे।

बैठक में कार्यकर्ताओ को संबोधित करते हुए जिला प्रवक्ता दिनेश देवांगन ने कहा की भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी सदस्यता संख्या वाली राष्ट्रवादी पार्टी है और 2014 के बाद पुनः वृहद स्तर पर चलने वाली सदस्यता अभियान में भाजपा के विचारधारा से जुड़ने आमजनता भी बेताब है ऐसे में ईस पूरे सदस्यता मिशन में प्रत्येक बूथों से अधिक से अधिक सदस्यता दिलाने के साथ साथ अल्प संख्यक वर्ग को भी जोड़ने व्यापक कार्य किया जाना चाहिए ताकि सभी वर्गो का समावेश हो बैठक में मंडल अध्यक्ष विजय ताम्रकार ने सदस्यता अभियान की पूरी प्रक्रिया से कार्यकर्ताओ को अवगत कराया गया।

बैठक में मोहम्मद भाई कुरैशी,वसीम कुरैशी जाकिर खोखर साबिर भाई असलम नथानी असलम खान नासिर खान, आसिफ खान शकील चौधरी इसरु कुरैशी विजयनागरे, संजय , फिरोज खान, तबरेज खान अनिक कुरैशी सईद कुरैशी, सईद भाई, निसार कुरैशी विकास सेन,ईन्नू कुरैशी मौजूद थे।

4 सितंबर को पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल एवं वरिष्ठ कांग्रेसियों के आतिथ्य में होगा तीज मिलन समारोहः महापौर

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। आगामी 4 सितंबर बुधवार को मालवीय नगर स्थित खालसा स्कूल में पूर्वान्ह 11 बजे तीज मिलन उत्सव का भव्य आयोजन किया जा रहा है। निगम महापौर धीरज बाकलीवाल सभापति राजेश यादव महिला बाल विकास प्रभारी जमुना साहू समस्त कांग्रेस पार्षद छाया पार्षद व शहर कांग्रेस महिला कांग्रेस के संगठन के संयुक्त तत्वाधान मे आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्य मंत्री भूपेश बघेल होंगे।

अध्यक्षता राज्यसभा सांसद फूलो देवी नेताम करेंगी। विशिष्ट अतिथि के रूप से पूर्व केबिनेट मंत्री रविन्द्र चौबे,ताम्रध्वज साहू श्रीमती अनिला भेड़िया व छत्तीसगढ़ वेयर हाउस कॉरपोरेशन के पूर्व चेयर मेन अरुण वोरा मौजूद रहेगें। समारोह में अतिथि के रूप में पूर्व विधायक प्रदीप चौबे, प्रतिमा चंद्राकर शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष गया पटेल मिलाई-3 चरोदा निगम महापौर निर्मल कोसरे भिलाई महापौर नीरज पाल रिसाली महापौर श्रीमती शशि सिन्हा पूर्व महापौर आर एन वर्मा प्रदेश कांग्रेस के महा मंत्री राजेन्द्र साहू अखिलभारतीय प्रोफेसनल कांग्रेस के राष्ट्रीय समन्वयक क्षितिज चंद्राकर, महिला कांग्रेस अध्यक्ष कन्या ढीमर व मदरसा बोर्ड के अध्यक्ष अल्ताफ अहमद शामिल होंगे निगम महापौर धीरज बाकलीवाल सभापति राजेश यादव ने कहा कि हरितालिका तीज राज्य की महिलाओ और बहनो का सबसे बड़ा त्यौहार है। महिलाओं के सम्मान व उत्साह को बढ़ाने के लिए हो तीज मिलन उत्सव का आयोजन किया जा रहा है।

साक्षर होने का संदेश लेकर निगम कर्मियों ने निकाली उल्लास के साथ रैली

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर रिसाली निगम के कर्मियों ने उल्लास के साथ रैली निकाली। साक्षर होने के संदेश को जन जन तक पहुंचाया। आयुक्त मोनिका वर्मा और डॉ. पुष्पा पुरुषोत्तमन जिला नोडल अधिकारी साक्षरता कार्यक्रम ने रैली को मरोदा चौपाटी के निकट झंडी दिखाई।

रैली में लगभग 200 अधिकारी कर्मचारी शामिल थे। अधिकारी कर्मचारियों का काफिला आधा किलोमीटर का था। यही वजह है कि रैली को देखने स्लम क्षेत्र मरोदा में भीड़ एकत्र हो गई। कलेक्टर ऋचा प्रकाश और जिला शिक्षा अधिकारी अरविंद मिश्रा के मार्गदर्शन में निकली रैली के पहले क्रम में लगभग 50 महिलाएं पैदल मार्च कर रही थी। वही 50 से अधिक बाइक में रिसाली के अधिकारी कर्मचारी शामिल थे। इसके अलावा काफिला में जन स्वास्थ्य विभाग के 70 वाहनों को शामिल किया गया था। इस अवसर पर अमित घोष सहायक संचालक, तनवीर अकिल जिला क्रीड़ा अधिकारी, कार्यपालन अभियंता सुनील दुबे, अखिलेश गुप्ता, नितीश अमन साहू , चंद्र पाल हरमुख आदि उपस्थित थे।

प्रदेश में 1 से 8 सितंबर तक अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के उद्देश्य को जन-जन तक पहुंचाना और जिले के असाक्षर साथियों को साक्षर कर उन्हें डिजिटल युग के लिए सुदृढ़ बनाना है।

साक्षरता सप्ताह में जन-जन में साक्षरता की अलख जगाने के लिए प्रतिदिन विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाना है ।उसी क्रम में आज स्वच्छता मितान और निगम कर्मचारियों ने साथ मिलकर वाहन रैली निकालकर साक्षरता सप्ताह के प्रथम दिवस का आगाज किया। रैली श्रमिक बाहुल्य बस्तियों के विभिन्न वार्डों में निकाली गई ।

कौशल विकास प्रशिक्षण

दुर्ग। पीएम अभ्युदय योजना के तहत एमएसएमई प्रौद्योगिकी केंद्र दुर्ग में विगत 22 अगस्त को जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति दुर्ग के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्यामल दास द्वारा सहायक ऑपरेटर सीएनसी टर्निंग, सहायक इलेक्ट्रीशियन (घरेलू सह औद्योगिक) और तकनीशियन कंप्यूटर हार्डवेयर और नेटवर्किंग जैसे रोजगारोन्मुखी ट्रेडों पर 90 दिनों के कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रमों का उद्घाटन किया गया। यह कौशल प्रशिक्षण भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय के रसमड़ा स्थित प्रौद्योगिकी केंद्र में शुरू किया गया है।

जिंदगी न मिलेगी दोबारा : प्रदेश महामंत्री अजय भसीन ने कहा-

विकसित भारत के लिए युवाओं को हुनरमंद होना होगा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज भिलाई इकाई अपने कार्यक्रम जिंदगी न मिलेगी दोबारा के माध्यम से युवा छात्र छात्राओं के बीच उत्प्रेरक संगठन के रूप में चर्चित हो रहा है। जिंदगी न मिलेगी दोबारा कार्यक्रम रविवार को केपीएस नेहरू नगर में छात्रों को प्रेरित करने पहुंचा। इस मौके पर प्रदेश महामंत्री अजय भसीन ने विकसित भारत यात्रा का बखान करते हुए कहा कि भारत का यह स्वर्णिम काल है विकसित भारत मे हुनरमंद युवा की भूमिका महत्वपूर्ण होगी।

उन्होंने कहा कि युवा संकल्पित हो देश आत्मनिर्भर बनेगा जब युवा अपनी ऊर्जा और अपना सम्पूर्ण समर्पण देगा ।राष्ट्रहित में युवा अपनी स्किल का भरपूर योगदान दे। कार्यक्रम के दौरान सीए प्रदीप पाल ने युवा छात्रों को संदेश दिया कि उच्च शिक्षा के बाद विदेश में नौकरी की सोच न करे भारत देश मे ही बहुत बेहतर अवसर है। बेहतर स्वास्थ्य के लिए शरीर को संतुलित भोजन ग्रहण करना चाहिए जिसमे प्रोटीन, मिनरल ,विटामिन हो।

कार्यक्रम में दुर्ग एसपी जितेंद शुक्ला भी शामिल हुए। इस मौके पर उन्होंने कहा कि युवाओं को अपने मन की सुननी चाहिए। उन्होंने कहा सफलता दृढ विश्वास से मिलती है सफलता की राह में आपका सकारात्मक व सार्थक प्रयास महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों की जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम के विशेष अतिथि कैलाश बत्रा ने युवाओं को बताया कि सफलता का कोई शार्टकट नही है ,मेहनत व ईमानदारी ही कामयाबी का मार्ग है। विशेष अतिथि करमजीत बेदी ने युवाओ को उद्यमिता से जोड़कर कहा कि अपना व्यवसाय व उद्योग स्थापित करें, स्वालंबन व स्वरोजगार से देश आत्मनिर्भर होगा। कार्यक्रम में विशेष अतिथि दिनेश सिंघल, राकेश मल्होत्रा, चिन्ना राव, प्रेम गहलोत, रवि बत्रा उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों ने पौधरोपण भी किया। मंच संचालन सुनील मिश्रा ने किया। वहीं यह जानकारी सूचना शंकर सचदेव ने दी।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributors For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

अधिवक्ता उमाशंकर वर्मा और अधिवक्ता विमला तांडी विशेष लोक अभियोजक नियुक्त

रायपुर। राज्य में भाजपा की सरकार बनने के लगभग 6 माह बाद छत्तीसगढ़ शासन के विधि और विधायी कार्य विभाग, मंत्रालय के द्वारा 28 अगस्त 2024 को आदेश जारी करते हुए यास्मीन बेगम विशेष लोक अभियोजक के स्थान पर विशेष न्यायालय, पास्को में राज्य की ओर से पैरवी करने के लिए अधिवक्ता श्रीमती विमला तांडी को विशेष लोक अभियोजक नियुक्त किया गया है। इसी तरह श्री नीलेश ठाकुर विशेष लोक अभियोजक के स्थान पर विशेष न्यायालय अनुसूचित जाति/जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम 1989 में राज्य की ओर से पैरवी करने के लिए अधिवक्ता श्री उमाशंकर वर्मा को विशेष लोक अभियोजक नियुक्त किया गया।

अर्पण दिव्यांग पब्लिक स्कूल में आयोजित हुआ रक्तदान शिविर

रायपुर। अर्पण दिव्यांग पब्लिक स्कूल में

शनिवार को आयोजित रक्तदान शिविर में मुख्य अतिथि पीएमजेएफपीडीजी एलएन तिलोक चंद बरडिया ने कहा कि सबसे पवित्र स्थान पर दुनिया का सबसे नेक कार्य हो रहा उसमे सहभागी बनना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। बिलासा ब्लड सेंटर, लायंस व लियो क्लब रायपुर सेंट्रल तथा आर्टिस्टिक वाइब्स के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित रक्तदान शिविर में बरडिया ने कहा कि दिव्यांग बच्चों को निशुल्क हास्टल और शिक्षा जिस स्थान पर मिल रहा हो उससे पवित्र जगह नहीं हो सकता। ऐसे पवित्र स्थल पर रक्तदान का नेक कार्य हो रहा हो तो यह सोने पर सुहागा है।

कार्यक्रम के विशिष्ठ अतिथि रायपुर नगर निगम के अध्यक्ष प्रमोद दुबे ने कहा कि रक्तदान करने से केवल एक व्यक्ति की जान नहीं बचती है, बल्कि कई जानें बचती हैं और उनके परिवारों को खुशियाँ भी मिलती हैं। दुबे ने तिलोक चंद बरडिया के व्यक्तित्व की सराहना करते हुए कहा कि समाज के वंचितों के लिए जो कार्य वे कर रहे हैं वह अनुकरणीय है। अर्पण कल्याण समिति ने दिव्यांग बच्चों की शिक्षा और स्किल डेवेलपमेंट का संकल्प लिया है उसमे समाज के सभी वर्गों की सहभागिता अनिवार्य है।

इस अवसर रानू लूनियाअध्यक्ष लायंस क्लब रायपुर सेंट्रल,लियो मासूम लूनिया अध्यक्षा लियो क्लब रायपुर सेंट्रल,लियो तृप्ति लूनिया,आर्टिस्टिक वाइब्स फाउंडेशन, राउंड टेबल के प्रतीक बेरिवाल, अंशु अग्रवाल, विशाल दत्ता कृति संघई, अर्पण कल्याण समिति के अध्यक्ष प्रकाश शर्मा, उपाध्यक्ष धनंजय त्रिपाठी, डायरेक्टर डॉ. राकेश पांडेय, दिनेश शुक्ला भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन कोआर्डिनेटर सीमा छाबड़ा ने किया।

स्वयं पर विजय पाने वाला दुनिया का सबसे बड़ा महावीर है : मुनिश्री

रायपुर के इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में लिखा जाएगा सामूहिक सिद्धि तप

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। श्री संभवनाथ जैन मंदिर विवेकानंद नगर में जारी आत्मोल्लास चातुर्मास 2024 में शनिवार से पर्युषण महापर्व की शुरुआत हो गई है। प्रथम दिन ओजस्वी प्रवचनकार मुनिश्री तीर्थप्रेम विजयजी म.सा. ने कहा कि परमात्मा महावीर ने अपनी अंतिम देशना के उत्तराध्यन सूत्र में कहा था कि युद्ध भूमि पर अकेले हजार हजार शत्रुओं को मार गिराने वाला उतना बड़ा वीर महावीर या शूरवीर नहीं है अपितु एक व्यक्ति जो अपने आपको जीत ले,अपने भीतर के शत्रुओं पर विजय प्राप्त कर ले तो वह दुनिया का सबसे बड़ा वीर,महावीर, शूरवीर है। युद्ध करना ही है तो अपने आप से करो,अपने भीतर के शत्रुओं से लड़ो,अपनी लालसा और वासना से लड़ो,अपनी आकांक्षाओं और आसक्ति से लड़ो, इस दुनिया में युद्ध के मैदान पर हजारों को मार देने वाला इतना महान नहीं है,जितना महान स्वयं पर विजय पाने वाला है।

मुनिश्री ने कहा कि आज से कर्म के मर्म पर प्रहार करने वाला पर्युषण महापर्व शुरू हो गया है। पर्युषण महापर्व मतलब प्रदूषण मुक्ति का पर्व है। आज दुनिया भर में ग्लोबल वार्मिंग क्लाइमेट चेंज जैसे अनेक शब्दों को प्रयुक्त किया जाता है। पूरी दुनिया आज प्रदूषण की चपेट में है लेकिन इस पर्व में आत्मा में लगे पांच प्रकार के प्रदूषण से हमें मुक्ति पाना है। पर्युषण महापर्व के पांच कर्तव्य हैं। हमारी आत्मा अनंत काल से पांच प्रदूषण से घिरी हुई है।

मुनिश्री ने कहा कि सबसे पहला प्रदूषण है कठोरता,कठोरता के प्रदूषण को दूर करने के लिए शास्त्रकार भगवंतों ने पहला कर्तव्य प्रवर्तन बताया है। अहिंसा का प्रवर्तन कर हमारी आत्मा पर छाया हुआ कठोरता का प्रदूषण दूर होगा। दूसरा प्रदूषण कृपणता अर्थात कंजूसपने का प्रदूषण है। इसे साधार्मिक बुद्धि के कर्तव्य से दूर किया जा सकता है। तीसरा है कटुता का प्रदूषण और इसको दूर करने के लिए क्षमापना का कर्तव्य है। चौथा है कायरता का प्रदूषण,इसे दूर करने के लिए अठ्ठम तप का कर्तव्य है। पांचवा है कृतज्ञता का प्रदूषण अर्थात उपकारों को भूल जाना। इस प्रदूषण को दूर करने के लिए चैत्य परिपाटी का कर्तव्य बताया गया है। एक-एक कर्तव्यों का सही ढंग से पालन किया जाए तो आत्मा पर छाए पांच प्रदूषणों को दूर किया जा सकता है। आत्मा इन प्रदूषणों से मुक्त हो सकती है।

पर्युषण महापर्व के शुभ अवसर पर प्रथम दिन लाभार्थी परिवार के घर से चतुर्विद संघ के परम सानिध्य में बाजे गाजे के साथ सभी तपस्वी सिद्धि शिखर मंडपम पहुंचे। यहां सर्वप्रथम तपस्वियों ने पूंजना अर्थात गुरु गुरु के चरणों का पूजन कर अपनी तपस्या निर्विघ्न संपन्न होने की कामना की। इसके बाद लाभार्थी परिवार द्वारा श्री संघ के समक्ष सभी तपस्वियों के मस्तक में विजय तिलक किया गया। इसके बाद लाभार्थी परिवार द्वारा तपस्वियों के मस्तक और गाल में चंदन लेपन किया गया ताकि आगे की तपस्या ठंडकता के साथ सुख-सातापूर्वक संपन्न हो।

मुनिश्री तीर्थप्रेम विजयजी म.सा. ने कहा कि रायपुर में 115 तपस्वी सिद्धि शिखर पर अपना परचम लहराने के लिए आज आठवें अंतिम पायदान पर कदम रख चुके हैं। देखते ही देखते आठ दिनों में सिद्धि शिखर की सर्वोच्च चोटी पर पहुंच जाएंगे और सिद्धि शिखर पर अपना परचम लहराएंगे। जैसे साधना की शुरुआत शेर मिजाज से हुई है, ऐसे ही शेर का मिजाज हमेशा बनाए रखना। यह सिद्ध तप तो 8 दिनों में संपन्न हो जाएगा लेकिन जब बुढ़ापा आएगा और जब कुछ कर पाना मुश्किल होगा तब आपको याद आएगा एक साथ 8 पच्चखाण लिए थे। ये अनुमोदना के क्षण ही आने वाले जन्मों में आराधना के अनुबंध बनवाएंगे। अंत में सभी सिद्धि तप के तपस्वियों ने मुनिश्री के समक्ष 8 उपवास का पच्चखाण लिया। 8 सितंबर को आठवीं बारी का ब्यासना होगा। सभी तपस्वी इन 8 दिनों में केवल गर्म पानी ही ग्रहण करेंगे। 9 सितंबर को सामूहिक पारणा एवं बहुमान समारोह होगा। 10 सितंबर को सिद्धि शिखर विजय यात्रा निकाली जाएगी।

छत्तीसगढ़ में सड़क पर बैठे आवारा पशु बने लोगों के लिए जानलेवा

शहर की प्रमुख सड़कों पर ज्यादा दिक्कत, लोगों को हो रही परेशानी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सड़क पर मवेशियों के विचरण के चलते हर वर्ष दुर्घटनाएं हो रही हैं। लोगों की जान जा रही है। पुलिस विभाग के आंकड़ों के मुताबिक पिछले पांच वर्षों में जानवरों से टकराने से राज्य के 404 यात्रियों की मौत हो गई और 129 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। अभी पिछले जुलाई में नौ लोग दुर्घटना के शिकार हुए हैं। जुलाई 2023 में हाई कोर्ट बिलासपुर ने सड़क पर मवेशियों के चलते हो रही दुर्घटनाओं को लेकर मामला उठाया था। साथ ही सड़क से मवेशियों को हटाने के लिए उपाय करने को कहा था।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार राज्य सरकार के प्राधिकृत अधिकारियों और नेशनल हाइवे अथारिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) के सहयोग से जुलाई-अगस्त 2023 के दौरान कोर्ट के निर्देश पर सड़क से 26,713 मवेशियों को हटाया गया था। पुलिस आंकड़ों के मुताबिक राज्य में सड़क दुर्घटना में होने वाली मौतें बढ़ गई हैं। 2023 में राज्य में ऐसी मौतें 5.6 प्रतिशत थी और इस साल की पहली छमाही में यह 8.72 प्रतिशत पहुंच गई है।

सड़क दुर्घटनाओं से मौत का आंकड़ा गंभीर

तमाम वजहों से सड़क दुर्घटनाओं के बाद हुई मौतों की संख्या भी बढ़ रही है। 2022 में 5,834 और 2023 में 6,166 की मौत हुई थी। इस साल जुलाई तक सड़क दुर्घटनाओं में 3,629 लोग मारे गए हैं। शहर के मुख्य मार्गों के अलावा गली-मुहल्लों में भी मवेशियों का कब्जा रहता है। मवेशी पूरी तरह सड़क को जाम कर देते हैं। वहां से पैदल निकलना भी खतरा से खाली नहीं होता। कई बार मवेशी आपस में भिड़ जाते हैं, जिससे आसपास के लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

आवारा मवेशियों की धरपकड़ अभियान निरंतर जारी

राज्य शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के दिशा निर्देश अनुरूप रायपुर जिला कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के आदेशानुसार एवं रायपुर नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा के निर्देशानुसार नगर निगम के सभी जोनो द्वारा सड़क मार्गों में काउकेचर एवं विशेष टीम के श्रमवीरों की सहायता से आवारा मवेशियों की धरपकड़ करने अभियान सतत निरंतर जारी है। अभियान के तहत जोन 1 की टीम द्वारा 12, जोन 3 की टीम ने मार्गो से 1 आवारा मवेशी की धरपकड़ कर गौठान में छोड़ा गया। जबकि जोन 4 ने 7 और जोन 5 ने 6 आवारा मवेशी, जोन 6 की टीम ने 17 आवारा मवेशी, जोन 7 ने 7, जोन 8 ने 8, जोन 9 ने 16 आवारा मवेशी और जोन 10 से 1 आवारा मवेशी की धरपकड़ कर काउकेचर वाहन एवं विशेष टीम में श्रमवीरों की सहयोग से धरपकड़ कर गौठान में छोड़ा गया। अभियान के तहत जोनों की काऊकैचर टीमों ने कुल 75 आवारा मवेशियों की धरपकड़ की गई। आवारा मवेशियों की धरपकड़ अभियान निरंतर जारी है।

विधायक मूणत ने 75 लाख के नए विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर पश्चिम विधायक राजेश मूणत ने रविवार को रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के तहत नगर निगम जोन नम्बर-7 के अंतर्गत शहीद मनमोहन सिंह बक्शी वार्ड क्रमांक-23 में पहुंचकर एकमुश्त 75 लाख रुपये की स्वीकृत नए विकास कार्यों के लिए दी। मंत्री मूणत ने विविध विकास कार्यों को शीघ्र प्रारम्भ करवाने भूमिपूजन की। इस दौरान वार्ड पार्षद प्रकाश जगत, नगर निगम जोन क्रमांक 7 के सम्बंधित अधिकारियों सहित नागरिकों, सामाजिक कार्यकर्त्ताओं, महिलाओं, व नवयुवकों की बड़ी संख्या में उपस्थिति थे।

रायपुर पश्चिम विधायक राजेश मूणत ने रायपुर नगर निगम के जोन क्रमांक-7 के वार्ड क्रमांक-23 में मुख्यमंत्री घोषणा अंतर्गत सुयश हॉस्पिटल कोटा के पीछे बीएसयूपी कोटा एवं वाटिका नगर में 40 लाख रुपये में सीवरेज पेयजल व्यवस्था एवं मरम्मत कार्य हेतु, अधोसंरचना मद से प्रधानमंत्री आवास योजना में 15 लाख रुपये में सामुदायिक भवन निर्माण कार्य, 15 लाख रूपये में कार्यालय भवन निर्माण कार्य , विधायक निधि मद से शिवाजी नगर महोबा बाजार में 5 लाख रुपये की लागत से सामुदायिक भवन निर्माण कार्य हेतु भूमिपूजन किया एवं जोन 7 के सम्बंधित अधिकारियों को तत्काल स्वीकृत विकास कार्य प्रारम्भ करवाकर तय समयसीमा के भीतर गुणवत्तायुक्त तरीके से करने के निर्देश दिए।

किडनी से संबंधित बीमारियों पर विस्तार से हुई चर्चा

रायपुर। नेफ्रॉन हेल्थ सोसाइटी द्वारा होटल मैरियट में स्थापना समारोह आयोजित किया गया। समारोह में किडनी से संबंधित बीमारियों पर विस्तार से चर्चा की गई और बताया गया कि भारत में यह कितना व्यापक हो गया है। लोगों को जागरूक और सूचित होना कितना महत्वपूर्ण है, साथ ही जोखिम कारक, प्रारंभिक पहचान व रोकथाम का महत्व भी बताया गया। मुख्य अतिथि डॉ. अनीश श्रीवास्तव (भारतीय अंग प्रत्यारोपण सोसायटी के अध्यक्ष), विशिष्ट अतिथि डॉ. श्याम बंसल (भारतीय नेफ्रोलॉजी सोसायटी के सचिव) व विशेष अतिथि डॉ. उमापति हेगड़े (पश्चिम क्षेत्र के सचिव) कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

भाजपा का सदस्यता महाअभियान का आज से शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के सदस्यता अभियान में मोर्चा को 07 लाख सदस्य बनाने का लक्ष्य मिला है। इसके लिए भाजयुमो को प्रत्येक जिले में भाजपा संगठन द्वारा प्रत्येक मण्डल से 5 बूथ दिए जाएंगे, जिसमे प्रत्येक बूथ में 200 सदस्य बनाना है। यह सदस्यता महाअभियान दो चरणो में 06 सितम्बर से 17 सितम्बर 2024 तक आयोजित होगा। भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष रवि भगत ने रविवार को यहाँ एकात्म परिसर स्थित भाजपा कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर बताया कि भाजपा के संगठन पर्व कार्यक्रम के तहत 02 सितम्बर से 30 अक्टूबर 2024 तक सदस्यता महाअभियान कार्यक्रम करना तय हुआ है।

भगत ने बताया कि पहले चरण में प्रत्येक बूथो में सदस्य बनाया जायेगा और दूसरे चरण में ग्राम, वार्ड, मोहल्ला व विश्वविद्यालय एवं

महाविद्यालय आदि स्थानो पर सदस्यता अभियान चलाया जाएगा। प्रत्येक जिला इकाइयों को सदस्यता का लक्ष्य प्रदान किया जायेगा, जिसमें हम 05 लाख का लक्ष्य आगे बढ़कर 07 लाख सदस्य बनाने की ओर आगे बढ़ेंगें। यह सदस्यता अभियान युवाओं को जोड़कर सशक्त भारत बनाने में सहायक सिद्ध होगा।

सदस्यता अभियान में मिस कॉल नम्बर 8800002024 पर मिस कॉल करने पर एक लिंक मैसेज के रूप में प्राप्त होगा। इसके बाद एक मैसेज आएगा जिसमें सदस्यता क्रमांक प्राप्त होगा। साथ ही 25 पन्नों का सदस्यता फार्मेट भी कार्यकर्ता को प्राप्त होगा। मिस कॉल के साथ ही फिजिकल फार्म भी भराया जाएगा जिससे मिस कॉल की जानकारी दिल्ली कार्यालय पहुँच जायेगी और फिजिकल फार्म का डाटा प्रदेश व स्थानीय जिला कार्यालय के पास रहेगा। सदस्यता अभियान को और सरल बनाने हेतु नमो एप सरल पोर्टल पर जाकर ऑनलाइन सदस्य बना जा सकता है। श्री भगत ने कहा कि सदस्यता अभियान को सम्पन्न कराने हेतु प्रदेश एवं जिला मण्डल और बूथ स्तर पर समितियों की गठन किया गया है।

इस अभियान के प्रभारी के रूप में रितेश मोहरे प्रदेश उपाध्यक्ष (प्रभारी), सुश्री गौरी गुप्ता सहप्रभारी, अभिषेक प्रदेश मंत्री बिलासपुर, प्रताप सिंह प्रदेश सहप्रशिक्षण प्रभारी सरगुजा, सहप्रभारी लक्ष्मण झा सहप्रशिक्षण प्रभारी बस्तर बनाए गए हैं। इसके अतिरिक्त सभी जिलों में 11 सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया है जो प्रत्येक दिवस की सदस्यता की मॉनीटरिंग करेगी। भाजयुमो द्वारा इस सदस्यता अभियान को सफल बनाने के लिए फोटो, वीडियो, रील आदि बनाकर सोशल मीडिया व अन्य जगहों पर प्रचार किया जायेगा। इस प्रेस वार्ता में प्रदेश उपाध्यक्ष व रायपुर संभाग प्रभारी रोहित महेश्वरी प्रदेश मीडिया प्रभारी विकास मित्तल और जिला अध्यक्ष गोविंदा गुप्ता भी उपस्थित थे।

प्रकृति के संरक्षण व संवर्धन के लिए अघरिया समाज की पहल

नायक परिवार ने अपने बच्चों का जन्मदिन प्रकृति को किया समर्पित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश का अघरिया (पटेल) समाज प्रकृति संरक्षण के लिए कई अनूठी पहल कर रहा है। समाज पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य के साथ इस पुनीत कार्य में जोर शोर से जुटा हुआ है। इसी कड़ी में समाज से जुड़े प्रबुद्धजनों ने वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया। राजधानी रायपुर के माना थाना परिसर में आज भुवनेश्वर नायक व उनकी धर्मपत्नी अनीता नायक ने अपने बच्चों का जन्मदिन प्रकृति के सानिध्य में मनाया और इस विशेष दिन को प्रकृति को समर्पित किया। अघरिया समाज के साथ साथ नायक परिवार का भी मानना है कि इससे पर्यावरण स्वच्छ व स्वस्थ रहता है।

कार्यक्रम का क्रियान्वयन उप पुलिस अधीक्षक लंबोदर पटेल जी व उनकी धर्मपत्नी रेणुका पटेल द्वारा किया गया। पटेल दंपत्ति का प्रकृति के साथ नि:स्वार्थ प्रेम है और भावी

पीढ़ी को बेहतर कल देने के उद्देश्य से अक्सर वे अपनी टीम के साथ वृक्षारोपण का आयोजन करते रहते है। उनका मानना है कि वृक्षारोपण केवल महज एक कार्यक्रम नहीं है अपितु इसके अनगिनत फायदे है, जो मानव समाज को पोषित करते है। स्वच्छ हवा के साथ ही यह जल संरक्षण में भी आवश्यक भूमिका निभाता है, जो हमारे जीवन का मूल तत्व है।

इस अवसर पर सुषमा प्रेम पटेल ने लोगों को उत्साहित करते हुए काव्य पाठ भी किया। इस पुनीत अवसर पर श्रीमती मंजू, क्षीर सिंधु पटेल, अजित पटेल, मीनाक्षी पटेल, सुनील पटेल, क्षीरसागर विनीता पटेल, राम नारायण, मोनिका पटेल, श्रीमती किरण अजित पटेल, वर्णिका शर्मा, दुर्गा पटेल, देवाशीष पटेल, रमेश पटेल और सभी सम्मानित जनों ने उत्साह से भाग लिया। सभी ने संकल्प लिया कि टीम वर्क से हम हमेशा रचनात्मक कार्यों में अग्रणी रहेंगे, जिससे स्वस्थ समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे पाएंगे। इस खास मौके पर स्वल्पाहार की व्यवस्था मीनाक्षी पटेल द्वारा किया गया।

मुझे नहीं लगता कि नेपोटिज्म की बहस में फंसना सही है: कृतिका

बॉलीवुड में नेपोटिज्म को लेकर अभिनेत्री कृतिका कामरा ने कहा कि यह कभी न खत्म होने वाली बहस है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि इसकी बहस में पड़ना सही नहीं है, क्योंकि आखिरी में दर्शक ही होते हैं जो एक कलाकार की किस्मत का फैसला करते हैं।

अभिनेत्री कृतिका कामरा ने कहा, मैंने हमेशा अपने काम पर विश्वास किया है। मैं किसी कनेक्शन या पारिवारिक संबंधों के कारण यहां नहीं पहुंची। मुझे जो भी अवसर मिले हैं, वे वर्षों की कड़ी मेहनत और मेरी दृढ़ता का परिणाम हैं।

उन्होंने आगे कहा, मुझे नहीं लगता कि नेपोटिज्म की बहस में फंसना सही है ,क्योंकि अंत में दर्शक ही होते हैं जो आपकी किस्मत का फैसला करते हैं। मैं उन सभी भूमिकाओं के लिए आभारी हूं जो मुझे मिली हैं, और यह इस बात का प्रमाण है कि आप इस उद्योग में एक बाहरी व्यक्ति के रूप में भी सफल हो सकते हैं। अभिनेत्री को हाल ही में थ्रिलर सीरीज ग्यारह ग्यारह में देखा गया था। यह सीरीज कोरियाई शो सिग्नल का रूपांतरण है। इस शो में राघव जुयाल, धैर्य करवा और आकाश दीक्षित भी हैं।

वह राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म निर्माता नागराज मंजुले की मटका किंग में दिखाई देंगी। मटका किंग मुंबई में शुरू हुए मटका जुए की जटिल दुनिया को दिखाता है। सीरीज में विजय वर्मा मटका किंग की मुख्य भूमिका में हैं। कृतिका ने कितनी मोहब्बत है शो में आरोही शर्मा की भूमिका निभाकर सुर्खियां बटोरीं। इसके बाद उन्हें कुछ तो लोग कहेंगे, रिपोर्टर्स और प्रेम या पहेली – चंद्रकांता जैसे शो में देखा गया।

अभिनेत्री ने डांस रियलिटी शो झलक दिखला जा 7 में भी भाग लिया है और तांडव और बंबई मेरी जान जैसी सीरीज में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। 35 वर्षीय अभिनेत्री ने 2018 में रिलीज हुई मित्रों से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की। वो प्रतीक गांधी के साथ फॉर योर आईज ओनली में भी नजर आएंगी।

कश्मीर में शुरू अल्फा की शूटिंग

सामने आई आलिया भट्ट और शरवरी वाघ की पहली तस्वीर

आलिया भट्ट और शरवरी वाघ ने यशराज स्पाई यूनिवर्स की फिल्म अल्फा की शूटिंग शुरू कर दी है। फिल्म अल्फा की शूटिंग का दूसरा शेड्यूल कश्मीर की ठंडी वादियों में हो रहा है। फिल्म अल्फा का कश्मीर में 10 दिनों का शूटिंग शेड्यूल है। यहां, हाल ही में आलिया भट्ट और शरवरी वाघ पहुंची थी। अब कश्मीर की वादियों के बीच फिल्म अल्फा की शूटिंग के दौरान इन दोनों हसीनाओं की एक तस्वीर सामने आई है। इसमें दोनों ही एक्ट्रेस के बीच का प्यार देखने को मिल रहा है।

शरवरी वाघ ने कश्मीर की वादी से यह तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर में आलिया और शरवरी

एक-दूजे के ऊपर हाथ डाले हाथ से हार्ट शेप बनाकर खड़े हुए हैं और सामने खूबसूरत झरने का नजारा दिख रहा है। शरवरी काली जैकेट में तो वहीं, आलिया को ग्रे जैकेट में देखा जा रहा है। इस तस्वीर को शेयर कर आलिया और शरवरी ने लिखा है, प्यार।।अल्फा। आलिया और शरवरी की तस्वीर पर कई फैंस और सेलेब्स जमकर प्यार लुटा रहे हैं। विक्की कौशल ने भी इस तस्वीर को लाइक किया है। इस तस्वीर पर 13 लाख से ज्यादा लाइक्स आ चुके हैं। वहीं, ऑस्कर विनिंग फिल्म की प्रोड्यूसर गुनीत मोंगा ने भी इस तस्वीर पर फायर इमोजी छोड़े हैं। आलिया भट्ट की मां सोनी राजदान ने इस तस्वीर पर हैंड्स क्लेप, फायर और हार्ट इमोजी शेयर किया है।

बता दें, यशराज बैनर तले बन रही फिल्म अल्फा को शिव रवैल डायरेक्ट कर रहे हैं। फिल्म में ऋतिक रोशन का भी रोल बताया जा रहा है, लेकिन मेकर्स ने स्टार कास्ट में अभी आलिया भट्ट और शरवरी वाघ पर ही मुहर लगाई है। फिल्म अगले साल रिलीज होने जा रही है। यह पहली बार जब यशराज बैनर फीमेल लीड एक्शन फिल्म बनाने जा रहा है।

करीना कपूर की द बकिंघम मर्डर्स का फर्स्ट सॉन्ग साडा प्यार टूट गया रिलीज

डिस्को ट्रैक पर नाचती दिखीं बेबो

इंतजार आखिरकार खत्म हुआ, करीना कपूर खान की इन्वेस्टिगेटिव थ्रिलर द बकिंघम मर्डर्स का पहला ट्रैक साडा प्यार टूट गया रिलीज कर दिया गया है। फिल्म पहले ही टीजर और पोस्टर रिलीज के साथ काफी चर्चा में है। वहीं गाने के टाइटल के अनाउंसमेंट के बाद से ही दर्शक इसके रिलीज होने का इंतजार कर रहे थे। करीना कपूर की इस थ्रिलर फिल्म का निर्देशन हंसल मेहता ने किया है। वीडियो सॉन्ग में करीना कपूर अलग ही अंदाज में नजर आ रही हैं। विजुअल में उनके कैरेक्टर की पूरी डिटेल दिखाई गई है। साडा प्यार टूट गया का म्यूजिक विक्की मार्ले ने किया है।

20 अगस्त, 2024 को द बकिंघम मर्डर्स का मोस्ट अवेटेड टीजर रिलीज किया गया था। इसकी शुरुआत एक दिल दहला देने वाले दृश्य से होती है जिसमें एक भारतीय परिवार के एक छोटे बच्चे को एक पार्क में मार दिया जाता है, जिससे बड़ा विरोध प्रदर्शन होता है। एक जासूस की भूमिका निभा रहीं करीना कपूर खान अपराध के पीछे के मकसद की जांच करने और अपराधी की पहचान करने के लिए निकलती हैं। इसके टीजर को दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिला है इसीलिए फिल्म का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है।

इससे पहले, द बकिंघम मर्डर्स को अक्टूबर में नीता मुकेश अंबानी कल्चरल सेंटर में आयोजित 2023 मुंबई फिल्म फेस्टिवल में प्रदर्शित किया गया था। यह फिल्म हंसल मेहता के साथ करीना कपूर खान की पहली फिल्म है और इसमें वह को प्रोड्यूसर भी हैं।

बकिंघम मर्डर्स 13 सितंबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। फिल्म में करीना के अलावा ऐश टंडन, रणवीर बरार और कीथ एलन समेत कई कलाकार हैं। हंसल मेहता द्वारा निर्देशित और असीम अरोड़ा, राघव राज कक्कड़ और कश्यप कपूर की लिखी हुई यह फिल्म एकता कपूर और शोभा कपूर ने प्रोड्यूस की है।

द लॉर्ड ऑफ द रिंग्स के प्रीक्वल का हिस्सा होंगे ऋतिक रोशन? शोरनर पायने के बयान ने बढ़ाई हलचल

द लॉर्ड ऑफ द रिंग्स: द रिंग्स ऑफ पावर सीजन 2 को लेकर काफी चर्चा हो रही है। इसी बीच जिस बात ने प्रशंसकों को आश्चर्यचकित कर दिया वह है बॉलीवुड सुपरस्टार ऋतिक रोशन के इसमें शामिल होने की संभावना। जी हां, हाल ही में शोरनर जे। डी। पायने ने एक इंटरव्यू में बॉलीवुड अभिनेता ऋतिक रोशन के भविष्य के सीजन में कलाकारों की सूची में शामिल होने की संभावना का संकेत दिया। जे।डी के बयान ने प्रशंसकों के उत्साह को चरम पर पहुंचा दिया है।

पायने ने अभिनेता मेगन रिचर्ड्स और मार्केला कावेनघ के साथ सीरीज में ऋतिक रोशन की संभावित भागीदारी पर चर्चा की। पायने ने बताया, पिछली बार जब मैं मुंबई में था, तो हमारी मुलाकात ऋतिक रोशन से हुई थी। वह अद्भुत थे। अगर सही भूमिका मिलती है तो दरवाजे खुले रहेंगे, अवसर मौजूद हैं। इस बयान ने उन प्रशंसकों के बीच उत्साह बढ़ा दिया है जो ग्रीक गॉड को फैंटेसी सीरीज में देखने के लिए उत्सुक हैं।

जब द रिंग्स ऑफ पावर के आने वाले सीजन में अन्य भारतीय अभिनेताओं को शामिल करने के बारे में सवाल किया गया, तो पायने ने खुलासा किया कि शो में मेरिमैक की भूमिका निभाने वाले गैवी सिंह चेरा कलाकारों का हिस्सा हैं। उन्होंने कहा, हमने वास्तव में सीजन 2 में भारतीय अभिनेताओं को कास्ट किया। गैवी सिंह चेरा, वह बिल्कुल अद्भुत है। वह कुछ एपिसोड में हैं। यह बहुत अच्छा होगा।

द लॉर्ड ऑफ द रिंग्स: द रिंग्स ऑफ पावर सीजन 2 का प्रीमियर 29 अगस्त को अमेजन प्राइम वीडियो पर हुआ। आठ-एपिसोड की सीरीज हर गुरुवार को अलग-अलग भागों में जारी की जाएगी। इसके पहले तीन एपिसोड गुरुवार को स्ट्रीम होंगे, इसके बाद 5, 12, 19 और 26 सितंबर को अगले एपिसोड होंगे और सीजन का समापन 3 अक्तूबर को होगा। यह सीरीज जे। आर। आर। टॉल्किन के मिडल-अर्थ के इतिहास और लोकप्रिय उपन्यास द लॉर्ड ऑफ द रिंग्स से प्रेरित है।

मोनालिसा ने सुर्ख लाल साड़ी पहन दिखाया कातिलाना अंदाज

फोटोज इंटरनेट पर शेयर होते ही हो गई वायरल

भोजपुरी एक्ट्रेस मोनालिसा हमेशा अपने बोल्ड लुक्स को लेकर सोशल मीडिया पर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तबाही मचाने लगता है। हालांकि लेटेस्ट फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान बेहद ही खूबसूरत साड़ी पहनी हुई थी।

एक्ट्रेस मोनालिसा आए दिन अपनी लेटेस्ट तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा कर फैंस का सारा अटेंशन अपनी ओर खींच लेती हैं। उनका बोल्ड और ब्यूटिफुल अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं। इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस मोनालिसा ने पिंक कलर की साड़ी पहनी हुई है, जिसमें वो कातिलाना निगहों से पोज देती हुई फैंस के दिलों पर खंजर चला रही हैं। ओपन हेयर, माथे पर बिंदी, कानों में झुमकें और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस मोनालिसा ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।

एक्ट्रेस मोनालिसा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी तगड़ी है। मोनालिसा जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस लाइक्स और कॉमेंट्स करते नहीं थकते हैं।

किचन के सिंक में जमने लगा है पानी, तो तुरंत करें ये काम- नहीं होगी कोई परेशानी

किचन में काम करते वक्त हमें कुछ ना कुछ चीज ऐसी दिख जाती है, जिससे हम हमेशा परेशान रहते हैं। ऐसे में किचन के सिंक में पानी जमा होना एक आम समस्या है, जिससे अधिकतर लोग परेशान रहते हैं। ऐसा अक्सर इसीलिए होता है, क्योंकि कुछ ऐसे बड़े कण नाली में जाकर जम जाते हैं या फिर फस जाते हैं, जिसकी वजह से पानी बाहर नहीं निकल पाता है। इससे पूरे किचन में बदबू फैलने लगती है साथ ही पानी का भराव हो जाता है। अगर इससे बचने के लिए आप भी कोई उपाय खोज रहे हैं, तो यह खबर आपके लिए है। आज हम आपको कुछ ऐसे आसान टिप्स बताएंगे, जिनकी मदद से आप सिंक में जमा होने वाले पानी से छुटकारा पा सकते हैं। आइए जानते हैं उन टिप्स के बारे में।

ऐसे करें सिंक की सफाई

सिंक में पानी जमा होने पर सबसे पहले आप सिंक में गर्म उगलता हुआ पानी डाल दें, फिर इसमें थोड़ा सा डिश शॉप डालकर कुछ देर के लिए ऐसा ही छोड़ दें, फिर गर्म पानी से दोबारा पूरे सिंक को अच्छी तरह धो ले। अगर इससे भी पानी बाहर नहीं निकलता है, तो आप बेकिंग सोडा और सिरके का इस्तेमाल कर सकते हैं।

बेकिंग सोडा और सिरके का इस्तेमाल

इसके लिए आपको सिंक में आधा कप बेकिंग सोडा डालना होगा, इसके बाद आधा कप सिरका डालें। जब यह मिश्रण फोम करने लगे, तो कुछ देर के लिए इसे ऐसा ही छोड़ दें। थोड़ी देर बाद आप गर्म उबलता हुआ पानी सिंक में डाल दें। इससे आपका पूरा सिंक साफ हो जाएगा और पानी आसानी से निकलने लगेगा।

नमक का करें इस्तेमाल

इसके अलावा आप नमक का इस्तेमाल कर सकते हैं। यह एक नेचुरल क्लीनर है, जिसे आप सिंक में डालकर थोड़ी देर के लिए छोड़ दें, फिर गर्म पानी से पूरे सिंक को धो दें। आप प्लंबिंग रॉड का इस्तेमाल भी कर सकते हैं। इसे नाली में धीरे-धीरे घुमाएं और फिर दबाए ऐसा करने से नाली में जमी गंदगी साफ होगी।

इन बातों का रखें ध्यान

अगर आप सिंक में भरे हुए पानी से और बदबू से बचना चाहते हैं, तो रोजाना नियमित रूप से अपने सिंक को साफ करें और सिंक में बड़ा कचरा डालने से बचे। लाख कोशिश करने के बाद भी अगर सिंक का पानी बाहर नहीं हो रहा है, तो आप पेशेवर प्लंबर को बुला सकते हैं और पूरे सिंक को साफ कर सकते हैं, हो सकता है की नली में कोई परेशानी हो, तो ऐसे में पेशेवर प्लंबर आपकी मदद करेगा। इन सभी टिप्स की मदद से आप आसानी से किचन के सिंक को साफ कर सकते हैं।

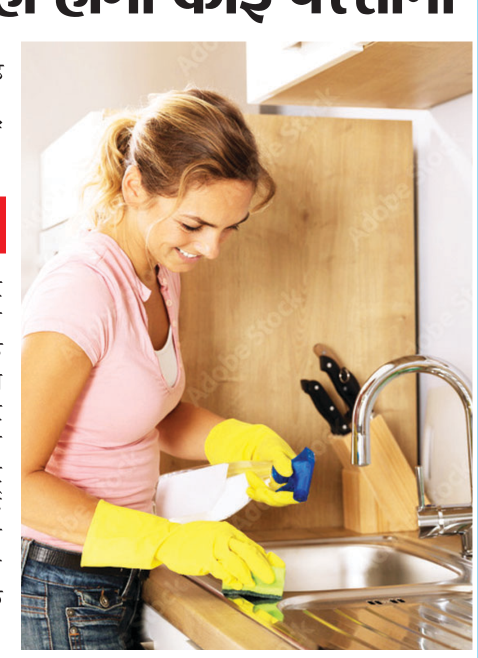

चक्रधर समारोह के मंच को पद्मश्री से सम्मानित 7 विभूतियां करेंगी सुशोभित

श्रीकंचनपथ न्यूज़

रायपुर। चक्रधर समारोह फिर से अपने पुराने वैभव और गरिमा के साथ आयोजित होने जा रहा है। 10 दिवसीय कला महोत्सव की रूप रेखा तैयार की जा चुकी है। नामचीन कलाकार अपने हुनर के प्रदर्शन के लिए रायगढ़ पहुंचने वाले हैं। चक्रधर समारोह का मंच कला जगह में अपनी विशिष्ट ख्याति रखता है। पिछले कुछ वर्षो के दौरान कोविड महामारी के चलते समारोह वृहत स्तर पर आयोजित नहीं किया जा सका था। इस बार के आयोजन में एक खास बात और शामिल है। इस वर्ष भारत सरकार के चौथे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्मश्री से सम्मानित 7 विभूतियां रायगढ़ चक्रधर समारोह के मंच को सुशोभित करेंगी।

पद्मश्री हेमा मालिनी- जो भारतीय सिनेमा की एक प्रमुख और बहु-प्रतिभाशाली अभिनेत्री हैं, अपने भरतनाट्यम नृत्य के लिए भी जानी जाती हैं। उन्हें भारतीय कला और संस्कृति को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण योगदान के लिए जाना जाता है। भरतनाट्यम, जो एक प्राचीन और शास्त्रीय नृत्य शैली है, में हेमा मालिनी की निपुणता और दक्षता अद्वितीय है। उनके नृत्य की विशेषताएँ उनकी उत्कृष्ट तकनीक, भाव-प्रकटीकरण और मंच पर उनकी उपस्थिति में स्पष्ट रूप से देखी जा सकती हैं। उन्होंने न केवल अपनी कला को फिल्मों के माध्यम से प्रस्तुत किया, बल्कि शास्त्रीय नृत्य की कला को भी पूरे देश और विदेश में लोकप्रिय

बनाया। उन्होंने कई महत्वपूर्ण नृत्य प्रस्तुतियाँ की हैं, जिनमें भारतीय पौराणिक कथाओं और धार्मिक कथाओं का सुंदर चित्रण होता है। उनके प्रदर्शन में नृत्य की विभिन्न मुद्राओं और भावनाओं का अभिव्यक्ति, दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देती है। उनकी नृत्य साधना और कला के प्रति समर्पण ने उन्हें न केवल सिनेमा की दुनिया में, बल्कि शास्त्रीय नृत्य की दुनिया में भी एक महत्वपूर्ण स्थान दिलाया है। उन्हें वर्ष 2000 में चौथे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्मश्री से सम्मानित किया गया है।

पद्मश्री रामलाल बरेठ- इन्होंने रायगढ़ कत्थक शैली को विकसित करने और कत्थक को घराने के रूप में स्थापित करने के लिए अपना जीवन समर्पित किया है। रायगढ़ कत्थक शैली को लोकप्रिय बनाने में पंडित रामलाल बरेठ का बहुत बड़ा योगदान है। उनके अथक प्रयास से रायगढ़ कत्थक शैली को रायगढ़ घराना के नाम से जाना जाता है। रायगढ़ घराना पूरी दुनिया में चौथे कत्थक घराने के रूप में प्रसिद्ध है। पंडित रामलाल को 1996 में भारत के माननीय राष्ट्रपति शंकर दयाल शर्मा ने भारत के राष्ट्रीय सम्मान संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया है। उन्हें वर्ष 2024

में पद्मश्री से सम्मानित किया गया है।

पद्मश्री कुमारी देवयानी- अनिक शेमोटी, जिन्हें मंच नाम कुमारी देवयानी के रूप में जाना जाता है, एक भारतीय नृत्यांगना हैं, जो भारतीय शास्त्रीय नृत्य शैली भरतनाट्यम में प्रदर्शन करती हैं। उन्होंने भारत के साथ-साथ ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, स्पेन, इटली, ग्रीस, पुर्तगाल, स्कैंडिनेवियाई देशों, एस्टोनिया और दक्षिण कोरिया के त्योहारों और संगीत हॉल में प्रदर्शन किया है। देवयानी भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) की सूचीबद्ध कलाकार हैं। 2009 में उन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया गया था। पद्मश्री डॉ.भारती बंधु- एक भारतीय संगीतकार और गायक हैं, जिनके कबीर भजन बहुत प्रसिद्ध हैं। वे छत्तीसगढ़ के रायपुर में पैदा हुए थे। भारती बंधु ने देश दुनिया भर में हजारों प्रस्तुतियां दी हैं। उन्हें संगीत के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए राज्य अलंकरण से सम्मानित किया गया था। उन्हें राजा चक्रधर सम्मान से भी सम्मानित किया गया है। वे भारत में सूफी और कबीर संगीत के प्रतीक हैं।

उन्हें वर्ष 2013 में पद्मश्री से नवाजा गया है। पद्मश्री अनुज शर्मा- छत्तीसगढ़ी सिनेमा और कला क्षेत्र में ख्यात्तिलब्ध व्यक्तित्व अनुज शर्मा को उनके निर्देशनए अभिनय और गायन में उनकी प्रतिभा के लिए जाना जाता है। कला के क्षेत्र में उनकी सेवाओं के लिए उन्हें भारत सरकार द्वारा 2014 में चौथे सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार पद्मश्री से सम्मानित किया गया था।

पद्मश्री डॉ. सुरेंद्र दुबे- डॉ. सुरेंद्र दुबे अपनी हास्य कविताओं के लिए पूरे देश दुनिया में प्रसिद्ध हैं। वे वह पेशे से एक आयुर्वेदिक चिकित्सक भी हैं। प्रदेश की बोली और संस्कृति को उन्होंने विभिन्न राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय मंचों से बढ़ावा दिया है। उन्हें भारत सरकार द्वारा 2010 में देश के चौथे उच्चतम भारतीय नागरिक पुरस्कार पद्मश्री से सम्मानित किया गया था। पद्मश्री रंजना गौहर- प्रसिद्ध ओडिसी नृत्यांगना, कोरियोग्राफर तथा फिल्म निर्मात्री हैं। उन्हें पद्मश्री व संगीत नाटक अकादमी के पुरस्कार से भी नवाजा जा चुका है। वह ओडिसी नृत्य के संदर्भ में एक किताब (ओडिसी द डांस डिवाइन) भी लिख चुकी हैं। श्रीमती रंजना गौहर को 2003 में भारत के राष्ट्रपति द्वारा प्रतिष्ठित पद्मश्री और 2007 में राष्ट्रीय संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

'हमर व्यापारी हमर संगवारी' के अधिवेशन में शामिल हुए उद्योग मंत्री

सिंगल विंडो सिस्टम 2.0 प्रणाली के जरिए उद्यमियों को मिल रही सहूलियतः देवांगन

श्रीकंचनपथ न्यूज़

रायपुर। प्रदेश के वाणिज्य उद्योग एवं श्रममंत्री लखनलाल देवांगन रविवार को छत्तीसगढ़िया वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ द्वारा ''हमर व्यापारी हमर संगवारी'' कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। राजधानी रायपुर के पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय ऑडिटोरियम, रायपुर में आयोजित कार्यक्रम में राजस्व आपदा और खेलमंत्री टंकराम वर्मा, विधायक रायपुर ग्रामीण मोतीलाल साहू, अभनपुर विधायक इंद्रकुमार साहू, राजिम विधायक रोहित साहू सहित उद्योग महासंघ के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

कार्यक्रम में प्रदेश भर से आए व्यापारियों को संबोधित करते हुए मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि लोगों को व्यापार के प्रति जागरूक करने एवं उनके व्यापार को नया आयाम देने का प्रयास महासंघ द्वारा किया जा रहा है और इस प्रयास में आपके साथ विष्णुदेव साय की सरकार आप सभी का पूरा साथ देगी।

मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि आज मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में सिंगल विंडो सिस्टम 2.0 की लांचिंग किया गया है, इससे नए उद्योग शुरू करने वाले व्यापारियों को किसी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। इसके अलावा राज्य स्थापना दिवस 1 नवंबर 2024 से प्रदेश की नई उद्योग नीति भी लागू हो जाएगी।

नई नीति उद्यमियों के सहूलियत को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में तैयार किया जा रहा है। आप सभी के साथ सरकार मिलकर प्रदेश में उद्योगों के लिए और बेहतर माहौल बनाने का प्रयास करने जा रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मुद्रा ऋण को आरंभ किया, इससे लोगों को व्यवसाय करने में आसानी हो रही है। उद्योग मंत्री ने कहा कि सरकारी खरीदी में जेम पोर्टल सिस्टम लागू किया गया है। इससे भ्रष्टाचार में अंकुश लगेगा। मंत्री श्री देवांगन ने छत्तीसगढ़िया वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन से व्यापारियों में उत्साह और आत्मबल और बढ़ता है।

राजस्व मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि ''हमर व्यापारी हमर संगवारी'' आज के एक दिवसीय कार्यशाला के जरिए व्यापारी बंधु अपने अनुभव साझा करेंगे, इनसे उनको व्यापार, व्यवसाय आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। आयोजन की सफलता के लिए उद्योग महासंघ के सभी पदाधिकारी को अपनी बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं। ज्ञातव्य हो कि वर्ष 2013 में छत्तीसगढ़िया वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ की स्थापना की गई थी।

विधायक रायपुर ग्रामीण मोतीलाल साहू ने कहा कि मुझे यहां आकर गौरव की अनुभूति हो रही हैं। हम सबको एक-दूसरे के सुख-दुख में खड़ा होने की जरूरत है, तभी यह संगठन मजबूत बन सकेगा। छत्तीसगढ़िया वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ के अध्यक्ष शेखर वर्मा ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

इस अवसर पर संघ के पदाधिकारी सर्वश्री मनीष टिकरिहा, ललित साहू, राजेश देवांगन, पुनारद निषाद, कुबेर चंद्राकर, आशीष साहू, करण भारद्वाज, दीपक कुमार साहू सहित अनेक प्रतिनिधि उपस्थित थे।

देशव्यापी साक्षरता सप्ताह का हुआ शुभारंभ, उल्लास साक्षरता रथ की गई रवाना

श्रीकंचनपथ न्यूज़

रायपुर। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के लिए जन जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से पूरे प्रदेश में देशव्यापी साक्षरता सप्ताह का शुभारंभ किया गया। प्रदेश के सभी जिलों में उल्लास साक्षरता रथ को हर्षोल्लास पूर्वक रवाना किया गया और साथ ही विभिन्न स्थानों पर प्रभातफेरी और उल्लास साक्षरता रैली का आयोजन किया गया। स्वयंसेवी शिक्षकों द्वारा असाक्षरों को साक्षर करने के उद्देश्य से उल्लास शपथ भी दिलाई गई। इस आयोजन में जनप्रतिनिधियों, जिला साक्षरता मिशन प्राधिकरण के अध्यक्ष, कलेक्टर, जिला पंचायत के उपाध्यक्ष, प्रमुख नागरिक, और साक्षरता से जुड़े अधिकारी व कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल

हुए। प्रदेश के कई स्थानों पर उल्लास साक्षरता संबंधी नारों का दीवारों पर लेखन भी किया गया। इसके अलावा, 2 सितंबर को साक्षरता पर केंद्रित गीत, नृत्य, पेंटिंग, और रंगोली जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा।

इस साक्षरता सप्ताह का उद्देश्य प्रदेश के हर कोने में साक्षरता की अलख जगाना और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम को सफल बनाना है।

जनमन शिविर में 7 कमार परिवारों को मिला नया राशन कार्ड

श्रीकंचनपथ न्यूज़

रायपुर। प्रदेश में विशेष पिछड़ी जनजाति परिवारों को विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित करने के लिए पीएम जनमन शिविर का आयोजन प्रतिदिन किया जा रहा है। इसी कड़ी में गरियाबंद जिले में शिविर के माध्यम से पीवीटीजी कमार सदस्यों को विकास की मुख्यधारा में लाने के लिए मूलभूत सुविधाओं से लाभान्वित किया जा रहा है।

इसी कड़ी में गत दिवस जनपद पंचायत गरियाबंद अंतर्गत ग्राम पंचायत मरोदा के आश्रित ग्राम बम्हनी में पीएम जनमन शिविर आयोजित किया गया।

शिविर में 07 कमार जनजाति के हितग्राहियों को मौके पर ही नए राशन कार्ड का वितरण किया गया, जिसमें चमरू कमार, कमला बाई कमार, सावित्री कमार, बृजबाई, आसबती कमार, श्याम बाई एवं फुलेश्वरी कमार को राशन कार्ड दिया गया। नए राशन कार्ड बन जाने से अब उनके परिवार को प्रतिमाह रियायत दर पर चांवल, शक्कर एवं नमक सहित खाद्यान्न मिलेगी। साथ ही अब पास के शासकीय उचित मूल्य की दुकान से आसानी से यह खाद्य सामग्री प्राप्त कर सकेंगे। राशन कार्ड बन जाने से सभी सदस्यों ने खुशी जताते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय शासन का आभार जताया।

इसी प्रकार शिविर में स्वास्थ्य विभाग द्वारा 45 कमार परिवारों का बीपी, शुगर हेल्थ चेकअप भी किया गया और आवश्यकतानुसार निःशुल्क दवाइयों का भी वितरण किया गया। शिविर में जनाबाई कमार को आयुष्मान कार्ड प्रदान किया गया। कृषि विभाग द्वारा कमलेश कमार को रागी वितरण किया गया।

भुवनेश्वर कमार का आधार कार्ड एवं महेंद्र का किसान क्रेडिट कार्ड स्थल पर बनाकर प्रदान किया गया। इसके अलावा अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा कमार बस्ती में जाकर केन्द्र व राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के लाभ के बारे में ग्रामीणों को विस्तार से जानकारी दी गई। इस दौरान शिविर में अमजद जाफरी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत गरियाबन्द राकेश साहू, विकास विस्तार अधिकारी, दुर्गेश प्रसाद साहू क्षेत्रीय समन्वयक, सरपंच और पंच एवं ग्रामवासी मौजूद रहे।

अब सुनेगा और बोलेगा भी देवांश

श्रीकंचनपथ न्यूज़

रायपुर। देवांश अब न केवल सुनेगा अपितु बोलेगा भी। यह संभव हुआ है सारंगढ के चिरायु टीम के द्वारा, जिनकी मदद से ग्राम हिच्छा के 2 वर्षीय बालक का चिरायु योजना के तहत सफल इलाज किया गया। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम की तहत चिरायु योजना जन्म से 18 वर्ष तक आयु के जरूरमंद बच्चों के लिए ही है जिनकी बीमारियों को समय पर पहचान कर निःशुल्क इलाज की सुविधा मुहैया करायी जाती है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सारंगढ़ के चिरायु टीम (ब) अपने दैनिक स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान समीपस्थ ग्राम हिच्छा आंगनबाड़ी केंद्र के बालक देवांश को श्रवण बाधित पाया, बच्चे के सुनने की क्षमता में कमी के साथ ही बाह्य ध्वनि के प्रति कोई भी रिस्पॉन्स नहीं करता।

संवदेनशील मुख्यमंत्री प्रदेश की जनता की खुशहाली के लिए सतत् प्रयासरत है। उन्होंने प्रदेश में सुशासन के लिए सभी अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। इसी के परिपालन में कलेक्टर धर्मेश साहू के निर्देशन तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एफआर निराला के कुशल मार्गदर्शन में बालक देवांश के इलाज के लिए समुचित प्रबंध किया गया। देवांश के बोलने की क्षमता को विकसित करने निरंतर 3 माह तक स्पीच थेरेपी दिया गया। इस थेरेपी से देवांश के बोलने में आवश्यक सुधार होना प्रारम्भ हो गया। बच्चा जब सुनेगा तभी तो कुछ बोलेगा को ध्यान में रखते हुए का क्लियर इम्प्लांट नामक कान की श्रवणशक्ति हेतु सर्जरी के लिए एम्स हॉस्पिटल रायपुर भेजा गया। देवांश का अलग-अलग स्तर पर जांच, वेक्सिनेशन की प्रक्रिया पूर्ण कर काक्लियर इम्प्लांट किया गया। इसके बाद देवांश की सुनने व बोलने के अभ्यास हेतु स्पीच थेरेपी की प्रक्रिया की जा रही है।

ज्ञात हो कि इस प्रकार के ऑपरेशन के लिए 6-7 लाख रुपए खर्च आता है। आर्थिक रूप से कमजोर देवांश के पिता किशोर पटेल बच्चे के इलाज के लिए इतनी बड़ी राशि की व्यवस्था करने में सक्षम नहीं था। देवांश का निःशुल्क इलाज चिरायु योजना से ही संभव हो सका। चिरायु योजना से देवांश के माता-पिता बेहद खुश हैं। उन्होंने योजना को बच्चों के लिए जीवनदायनी बताते हुए सरकार व पूरी स्वास्थ्य टीम का हार्दिक आभार व्यक्त किया।

चिरायु योजना का मकसद, बच्चों में जन्म के समय से मौजूद दोष, कमियां, बीमारियां, विकलांगता और विकास संबंधी देरी को पहचानकर, जल्द से जल्द इलाज मुहैया कराना है। चिरायु योजना के तहत,

स्कूलों और आंगनबाड़ियों में बच्चों की जांच की जाती है और ज़रूरत पड़ने पर उन्हें मुफ़्त में इलाज दिया जाता है। इस योजना के तहत, कटे-फटे होंठ, जन्मजात मोतियाबिंद, टेढ़े-मेढ़े हाथ-पैर, श्रवण बाधा (जन्मजात बधिरता) और 30 तरह की बीमारियों और विकृतियों का इलाज किया जाता है।

24वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा स्पर्धा का शुभारम्भ

श्रीकंचनपथ न्यूज़

रायपुर। कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री रामविचार नेताम ने सरगुजा जिले के जिला मुख्यालय अम्बिकापुर में 24वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का रंगारंग शुभारंभ किया। खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ अम्बिकापुर के स्थानीय शासकीय बहुद्देश्यीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के क्रीड़ांगन में हुई।

मंत्री श्री नेताम ने इस अवसर पर खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि राज्य में सरगुजा संभाग की अलग पहचान है। 24वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का आज यहां आगाज़ हो रहा है, यह हमारे लिए गौरव की बात है। उन्होंने प्रतियोगिता में आए प्रदेश के सभी सम्भाग के खिलाड़ियों सहित अभिभावकों, कोच, शिक्षकों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि सभी खिलाड़ियों ने पहले स्तर की प्रतियोगिता में अपने हुनर का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है और इस राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में शामिल हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि खेल प्रतिभाओं को आगे ले जाने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। अच्छी सुविधाओं तथा प्रशिक्षण के माध्यम से खेल प्रतिभाओं को निखारने का प्रयास किया जा रहा है जिससे हमारे खिलाड़ी बढ़िया खेल कर अपनी प्रतिभा का झण्डा दुनिया में बुलंद कर सकें।

उन्होंने बताया कि प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने भी घोषणा की है कि ओलंपिक खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाले छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों को तीन करोड़ रुपए की पुरस्कार राशि दी जाएगी। वहीं, रजत पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को दो करोड़ रुपए, और कांस्य पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को एक करोड़ रुपए की राशि प्रदान की जाएगी। उन्होंने सभी को अपनी क्षमता का प्रदर्शन कर प्रतियोगिता में हिस्सा लेने शुभकामनाएं दीं।

जिला शिक्षा अधिकारी अशोक सिन्हा ने प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए बताया कि आज से शुरू हुए 24वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता आगामी 04 सितम्बर तक चलेगी। इस राज्य स्तरीय शालेय क्रीडा प्रतियोगिता मे खेल की चार विधाओं को शामिल किया गया है जिसमें फुटबॉल बालक-बालिका 17 वर्ष, क्रिकेट बालक-बालिका 17 वर्ष, बैडमिंटन बालक-बालिका 14 वर्ष, 17 वर्ष एवं 19 वर्ष तथा गतका में 17 एवं 19 वर्ष की बालक-बालिकाए होंगी। सभी पांच सम्भाग से प्रतियोगिता में कुल 860 प्रतिभागी शामिल हो रहे हैं। प्रत्येक संभाग से विभिन्न खेल विधाओं में 71 बालक, 71 बालिकाएं होंगी। इनके साथ 50 स्टेट ऑफिशियल्स, 150 मैनेजर एवं कोच रहेंगे। इनके मध्य आयोजित होने वाली प्रतियोगिताओं को स्थानीय खेल मैदानों में संपन्न कराया जायेगा।

कार्यक्रम में बैडमिंटन के राष्ट्रीय खिलाड़ी अथर्व प्रताप सिंह ने खिलाड़ियों को शपथ दिलाई। इस अवसर पर सभी संभागों के खिलाडि़यों ने रंग-बिरंगी पोशाक पहनकर आकर्षक मार्चपास्ट किया। इसके साथ ही स्कूली बच्चों के द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम में सासंद चिंतामणी महाराज ने कहा कि जीवन में खेल का महत्व भोजन की तरह ही है। खेल से शरीर, मन, मस्तिष्क सब स्वस्थ रहता है। कार्यक्रम में उपस्थित अंबिकापुर विधायक राजेश अग्रवाल एवं लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज ने भी सभी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर पूर्व सांसद कमलभान सिंह, सरगुजा संभागायुक्त जी आर चुरेन्द्र, कलेक्टर विलास भोसकर, जिला पंचायत सीईओ नूतन कंवर, संयुक्त संचालक शिक्षा संजय गुप्ता, स्थानीय जनप्रतिनिधि लल्लन प्रताप सिंह, आलोक दुबे, अम्बिकेश केसरी, जिला स्तरीय अधिकारी-कर्मचारी तथा खिलाड़ी उपस्थित थे।

खास खबर

अंधे कत्ल की गुत्थी का पुलिस ने किया खुलासा, दोनों आरोपियों को किया गिरफ्तार

धमतरी। जिले में अंधे कत्ल की गुत्थी का पुलिस ने खुलासा किया है। जहां मृतका के पति सहित उसके भतीजे को मामले में गिरफ्तार किया है। दरअसल दुगली थाना क्षेत्र के जंगल में जयंत्री नेताम महिला का अधजला शव बरामद हुआ था। वहीं महिला के सर सहित शरीर के कई हिस्सों में चोट का निशान पाया गया था। जिसपर हत्या का आशंका जताते हुए पुलिस आरोपी के खोजबीन में जुट गई थी।

सायबर और दुगली पुलिस मृतिका शव का शिनाख्ती करते हुए मृतिका का घर पहुंचा जहा उनके पति मनराखन नेताम निवासी मोहगांव थाना भानूप्रतापपुर जिला कांकेर से कड़ाई से पूछताछ किया गया। जिस पर आरोपी ने बताया कि अपने भतीजे रामदेव सलाम के साथ अपनी पत्नी जयंत्री नेताम को भहला पुसलाकर घूमने जाने की बात कहते हुए धमतरी जिले के दुगली थाना क्षेत्र के जंगल में ले आया था। यहां लाकर अपने पत्नी को जेक राड से पिटाई करते हुए पेट्रोल से जलाकर मौत के घाट उतार देना बताया। वहीं पुलिस ने दोनों आरोपियों को हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

चुनकट्टा के खदान का विरोध कर रहे ग्रामीणों की पुलिस से झड़प, कई घायल

दुर्ग। जिले के ग्राम चुनकट्टा में लाइम स्टोन की खदान को लेकर हो रही पर्यावरण विभाग की जनसुनवाई का ग्रामीणों ने विरोध किया है। इस दौरान जमकर लात घुसे भी चले। जनसुनवाई के दौरान ग्रामीण ही आपस में भिड़ गए। एक ग्रामीण का सिर भी फट गया. पुलिस ने बड़ी मशक्कत के बाद माहौल को शांत कराया।

बता दें कि एडीएम अरविंद एक्का खदान को लेकर जनसुनवाई कर रहे थे। इस दौरान ग्रामीण ही आपस में भिड़ गए. खदान से होने वाले पर्यावरण के नुकसान और ग्रामीणों के स्वास्थ्य पर असर को लेकर ग्रामीणों ने जमकर विरोध किया। वहीं जनप्रतिनिधियों और आरटीआई कार्यकर्ता ने ग्रामीणों की सहमति के लिए खरीद फरोख्त का आरोप लगाया है। जानकारी के मुताबिक, चुनकट्टा में 1.58 हेक्टेयर जमीन पर खनन की स्वीकृति दी गई है। इसके लिए शुक्रवार को जनसुनवाई का आयोजन किया गया था. जनसुनवाई के दौरान जमकर हंगामा हुआ। एक ग्रामीण का सिर फट गया।

मुनाफा कमाने का झांसा देकर 2 लाख 60 हजार की ठगी

रायपुर। स्टॉक मार्केट में शेयर निवेश कर ज्यादा लाभ कमाने का झांसा देककर अज्ञात आरोपियों ने 2 लाख 60 हजार ठग लिए। प्रार्थी की शिकायत पर मंदिरहसौद पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी सौरभ चंद्राकर 41 वर्ष ग्राम जुगेसर का रहने वाला है। प्रार्थी ने थाना में शिकायत किया कि अज्ञात मोबाइल क्रमांक 72030-68847 के धारक ने प्रार्थी को फोन कर स्टॉक मार्केट में शेयर निवेश कर ज्यादा लाभ कमाने का झांसा देकर अपने बताए खाता में 2 लाख 60 हजार रुपए जमा करवा लिया। प्रार्थी की शिकायत पर मंदिरहसौद पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

शराब की दुकान के मैनेजर पर चाकू से हमला, जीजा ने दी थी हत्या की सुपारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सुपेला आकाश गंगा स्थित प्रीमियम वाइन शॉप के मैनेजर पर चाकू से जानलेवा हमला करने वाले आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। सुपेला पुसिल ने दुर्ग से तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने शराब दुकान के मैनेजर की हत्या की सुपारी ली थी। सुपारी देने वाला भी कोई और नहीं बल्कि मैनेजर का जीजा है जो कि घटना के बाद से ही फरार है। सुपेला पुलिस इस पूरे घटना के मास्टमाइंट की तलाश कर रही है।

सुपेला पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार उमेश कुमार आकाश गंगा सुपेला स्थित प्रीमियम शराब दुकान का मैनेजर है। वह कृष्णा नगर में रहता है। बीते 4 अगस्त की रात 10 बजे शराब दुकान बंद कर अंदर कैश मिलान किया। उसके बाद देर रात करीब 1 बजे अपनी बाइक से घर जाने के लिए निकला था। पुलिस ने बताया कि जैसे ही वह गणेश मार्केट के पास पहुंचा, 3 लोगों ने उसका रास्ता रोक लिया। गाड़ी रोकते ही उन लोगों ने उससे गाली गलौज शुरू कर दी। उमेश ने उनका विरोध किया तो उससे मारपीट की गई। एक लड़के ने चाकू निकालकर उसके पेट में घुसा दिया। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी वहां से भाग गए।

मामले में पुलिस ने घटना स्थल और आसपास के एरिया के 200 से अधिक सीसीटीवी फुटेज खंगाला। सीसीटीवी फुटेज में बाइक सवार 3 लोग दिखाई दिए। पुलिस ने संदेहियों के बारे पूछताछ की। पता चला कि तीनों लोग दुर्ग रहने वाले हैं। इसके बाद पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों में नागेंद्र सोनी (35) निवासी पंचशील नगर दुर्ग, राज मानिकपुरी उर्फ राजा (19), निवासी गया नगर दुर्ग तथा शैलेष सिन्हा (30) निवासी गया नगर दुर्ग शामिल है।

जीजा कराना चाहता था हत्या 50 हजार की दी थी सुपारी

आरोपियों ने पुलिस को बताया कि उनकी शराब दुकान के मैनेजर उमेश से कोई दुश्मनी नहीं थी। राजनांदगांव के रहने वाले अश्वनी वर्मा उर्फ आशु ने हत्या करने के लिए 50 हजार रुपए की सुपारी दी थी। पैसों की लालच में उन्होंने उमेश पर जानलेवा हमला किया, लेकिन उसकी जान बच गई। उन्होंने बताया कि चाकू मारने के बाद आशु ने उन्हें 30 हजार रुपए दिए और 20 हजार रुपए अब तक नहीं दिए हैं। अश्विनी वर्मा कोई और नहीं बल्कि उमेश का जीजा है। अश्विनी वर्मा और उसकी पत्नी के बीच झगड़ा चल रहा है। मामला तलाक तक पहुंच गया है। उमेश अपनी बहन की मदद कर रहा है। इससे अश्विनी वर्मा ने उसे जान से मरवाने की योजना बनाई और सुपारी दी। हत्या की सुपारी देने वाला अश्विनी वर्मा अभी फरार है और पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

हमला करने से पहले आरोपियों ने की रेकी

आरोपियों ने बताया कि उन लोगों ने सुपारी लेने के बाद कई दिन तक उमेश की एक्टिविटी की रेकी थी। कितने बाजे दुकान आता है और कितने बजे जाता है, किस रास्ते से जाता इस सबके बारे में जानकारी जुटाई। उमेश अक्सर दुकान से शराब पीकर ही घर जाता था। घटना के दिन भी वो देर रात शराब के नशे में घर जा रहा था। इसी का फायदा उठाते हुए आरोपियों ने उसे आसानी से रोक लिया और झगड़ा करते हुए चाकू मार दिया फिर वहां से फरार हो गए। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से घटना में प्रयुक्त बाइक, चाकू और 30 हजार रुपए जब्त किया है।

रेलवे ट्रैक पर बैठ गेम खेल रहे थे छात्र, ट्रेन की चपेट में आए

■ ट्रेन की हॉर्न भी नहीं सुनी, लोकों पायलट ने ब्रेक लगाया पर नहीं रुकी ट्रेन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग-दल्लीराजहरा रेलवे ट्रैक में 9वीं में पढ़ने वाले दो बच्चों की ट्रेन से कटकर मौत हो गई। दोनों घर से खेलने जाने की बात कहकर निकले और रेलवे ट्रैक पर बैठकर गेम खेल रहे थे। पूरण कुमार साहू (14) और वीर सिंह (13) खेलने में इतने व्यस्त हो गए कि ट्रेन का हॉर्न भी उन्हें सुनाई नहीं दिया। ट्रेन के लोको पायलट ने ब्रेक लगाने की कोशिश की, लेकिन तब तक दोनों ट्रेन की चपेट में आ गए और मौत हो गई।

थाना प्रभारी अंबर सिंह भारद्वाज ने बताया कि 31 अगस्त की रात 8 बजे उनके पास आरपीएफसे फोन आया था कि दुर्ग - दल्लीराजहरा रेलवे पटरी मार्ग पर रिसाली एरिया में पार्श्वनाथ जैन मंदिर के पीछे दो लोगों की ट्रेन से कटने से मौत हो गई है।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों की पहचान सरस्वती कुंज वेस्ट रिसाली निवासी पूरण कुमार साहू (14) और आशीष नगर रिसाली निवासी वीर सिंह (13) के रूप में की। इस घटना के बाद परिजन और ट्रेन के लोको पायलट के बयान लिए गए हैं। मौके पर एक टूटा मोबाइल पड़ा था, जो चालू हालत में था। उसमें गेम सांग की आवाज आ रही थी। ऐसे में आशंका जताई जा रही है कि दोनों गेम खेलने में इतने खो गए कि उन्हें ट्रेन के हॉर्न का भी पता नहीं चला।

बताया जा रहा है कि ट्रैक पर दोनों बच्चे आपस में सटकर बैठे थे। उन्हें देखकर दूर से हॉर्न बजाना शुरू कर दिया, फिर भी नहीं हटे। इसके बाद इमरजेंसी ब्रेक लगाई, लेकिन ब्रेक लगने के बाद ट्रेन एक-दो पिलर बाद रुकती है। इससे दोनों चपेट में आ गए। उस दौरान पटरी पर आगे बैठा बालक ट्रेन के पहियों के नीचे आकर पूरी तरह कुचल गया। जबकि दूसरा झटके से दूर छिटक गया।

शेर के पंजे का निशान मिलने से दहशत, ग्रामीण इलाके में कोटवार करा रहे मुनादी

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोंडागांव। छत्तीसगढ़ के कोंडागांव जिले में शेर के पंजे के निशान मिले हैं, जिससे ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। गांव में सुरक्षा की स्थिति को लेकर चिंता बढ़ गई है। वन विभाग के टीम को ग्रामीणों ने सूचना दी थी, लेकिन वन अमला नहीं पहुंचा। पूरा मामला फरसगांव विकासखंड के ग्राम मोहलई का है।

जानकारी के अनुसार, गांव के जंगल के किनारे स्थित किसान दयाल चक्रधारी ने अपने खेत में सुबह-सवेरे शेर के पंजे का निशान देखा। यह जानकारी मिलते ही गांववासियों में दहशत फैल गई। कई लोग खेत में पहुंचकर इस निशान का वीडियो बनाने लगे। गांव के बुजुर्गों ने भी पुष्टि की कि यह निशान बाघ का है। ग्रामीणों ने बताया कि वन विभाग को सूचना दे दी थी, लेकिन रविवार दोपहर 1 बजे

तक वन विभाग का कोई भी कर्मचारी मौके पर पहुंच नहीं सका है। कोटवार ने मुनादी कर ग्रामीणों को जंगल में न जाने और सतर्क रहने की सलाह दी है। वन अमला इस घटना के प्रति अभी तक बेखबर है। एक दिन पहले ही बेलगांव डोंगरीपारा में भी शेर के पंजे का निशान देखा गया था, जिससे यह अंदाजा लगाया जा रहा है कि बाघ की गतिविधियां इलाके में बढ़ गई हैं। ग्रामीणों ने वन विभाग से खतरे को टालने की अपील की है।

इंस्टाग्राम में दोस्ती कर विदेश से गिफ्ट भेजने का दिया झांसा बदमाश ने की महिला से 46 लाख की ऑनलाइन ठगी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी के कारोबारी परिवार की महिला को दोस्ती का झांसा देकर जालसाज ने 46 लाख की ऑनलाइन ठगी कर ली। महिला का इंस्टाग्राम के माध्यम से ठग से परिचय हुआ था। ठग ने अपने आप को डाक्टर बताकर पहले महिला का विश्वास जीता, उसके बाद गिफ्ट भेजने के नाम पैसे ठग लिए। महिला उस पर इतना भरोसा करने लगी थी कि घर के पैसे खत्म होने पर उसने बैंक से लोन लेकर ठग को भिजवा दिए। सच सामने आने के बाद उसने खमतराई थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

पुलिस के अनुसार अदिति अग्रवाल (45) शिवानंद अग्रवाल खमतराई में रहती हैं। उनकी दोस्ती इंस्टाग्राम में एक युवक से हुई। उसने अपना परिचय डॉ. के मार्टिन के रूप में दिया। उसने कहा वह इटली में डॉक्टर है। रोज बातें

होने के कारण धीरे-धीरे उनकी दोस्ती बढ़ी। इसी दौरान डॉ. मार्टिन ने महिला का भरोसा जीत लिया।

उसने अदिति से कहा कि उसके लिए 10 हजार डॉलर का एक गिफ्ट इटली से भेजा है। इसके कुछ दिन बाद उसे फोन आया कि आपका पार्सल आ गया है, लेकिन कस्टम ड्यूटी चुकाने के बाद ही पार्सल उन तक भेजा जा सकेगा। अदिति को समझ नहीं आया और उसने कस्टम ड्यूटी के नाम पर कॉल करने वाले के कहने पर पैसे उनके बताए खाते में जमा कर दिए। उसके बाद हर एक-दो दिन बाद कोई न कोई प्रोसेस बताकर उससे पैसों की डिमांड की जाने लगी। करीब एक महीने में धीरे-धीरे उनसे 46.24 लाख रुपए ले लिए।

महिला ने पहले पार्सल छुड़ाने के नाम पर लाखों रुपए ठग के खाते में जमा करा दिए। उसके बाद भी पार्सल तो नहीं आया लेकिन उसे दूसरी तरह के फोन आने लगे। उन्हें कहा गया कि आपका पार्सल अवैध है और कस्टम अधिकारी आपसे पूछताछ करेंगे। इस डर से उसने और पैसे दे दिए। घर के पूरे पैसे खत्म होने के बाद उसने बैंक से करीब 10 लाख का लोन लिया। उसे भी ठग के खाते में जमा करा दिया। इसके बाद भी ठग की डिमांड खत्म नहीं हुई तब उसे एहसास हुआ कि उसके साथ ठगी हो गई है।

कंपनी में हेराफेरी करने वाला एरिया मैनेजर व साथी गिरफ्तार

जगदलपुर (ए.)। बस्तर में लगातार बड़ी-बड़ी कंपनियों में काम करने वाले डिलवरी बॉय से लेकर बड़े पद तक के युवाओं के द्वारा सामानों के हेराफेरी करने में संलिप्त पाए जा रहे हैं। इसके चलते कंपनी को लाखों का नुकसान हो रहा है। इसी तारतम्य में बस्तर क्षेत्र में काम करने वाले कंपनी के एरिया मैनेजर से लेकर एक अन्य कर्मचारी ने 20 लाख 37 हजार का चूना लगा दिया। इस मामले की जानकारी जब कंपनी के छत्तीसगढ़ हेड मैनेजर को लगी तो उसने इस मामले की रिपोर्ट बोधघाट थाने में दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपी को

गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस ने बताया कि रायपुर निवासी किशन तिवारी (30) ने बताया कि जगदलपुर सुरा रिटेल के एरिया मैनेजर राहुल बघेल (24) निवासी नगरनार व नावेद ठाकुर (24) निवासी जगदलपुर द्वारा विगत आठ माह में अमेजन कंपनी से आने वाले सामानों को डिलवरी करने के बाद जो पेमेंट आता था उसे पूरा जमा ना करके थोड़ा-थोड़ा बचा लेते थे, इस तरह से कंपनी को पूरा पैसा नहीं दिया जा रहा था, जिसके बाद इन 8 माह में 20 लाख 37 हजार का कंपनी को नुकसान हो चुका था।

छत्तीसगढ़ हेड मैनेजर किशन तिवारी ने पैसों की कमी को देखते हुए जनवरी से लेकर अगस्त तक के पूरे सामानों की जानकारी मंगवाने के बाद जब ऑडिट किया गया तो इन लाखों रुपये के हेराफेरी का खुलासा हुआ। घटना के बाद आरोपी फरार हो गए थे, लेकिन पुलिस ने दोनों आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। इस कंपनी में काम करने वाला राहुल बघेल इस कंपनी में 2017 से काम कर रहा था। एक डिलवरी बॉय से उसका प्रमोशन होते हुए एरिया मैनेजर तक पहुंचा था, लेकिन दूसरा आरोपी नावेद ठाकुर को काम करते हुए केवल तीन माह ही हुआ था, लेकिन लालच ने कंपनी को लाखों का चूना लगा दिया। पुलिस ने प्रार्थी के रिपोर्ट के आधार पर आरोपियो के खिलाफ मामला दर्ज करते हुए आरोपी राहुल व नावेद के खिलाफ 316 (4), 238, 3 (5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया है।

सरेआम शराब पीते 14 गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी पुलिस ने नशेड़ियों के खिलाफ अभियान चलाकर अलग-अलग थाना क्षेत्रों में सरेआम शराब पीते 14 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

मिली जानकारी के अनुसार गंज थाना पुलिस ने तेलघानी नाका चौक के पास सरेआम शराब पीते आरोपी दानेश्वर साहहू 28 वर्ष व बलीराम गायकवाड़ को गिरफ्तार किया है। वहीं देवेन्द्र नगर पुलिस ने आरोपी शुभम जाल, देवराज सोनवानीव मोहम्मद जावेदको गिरफ्तार किया है। राजेन्द्र नगर पुलिस ने आरोपी राजेश यादव व लक्ष्मीकांत साहू को गिरफ्तार किया है। वहीं खम्हारडीह पुलिस ने आरोपी आदर्श शुक्ला, खरोरा पुलिस ने आरोपी पवन लहरी एवं माना पुलिस ने आरोपी रूपेश वर्मा, आशीष शर्मा व अंकित बंजारे को गिरफ्तार किया है। वहीं अभनपुर पुलिस ने आरोपी ललित यादव 44 वर्ष व शिव ध्रुव 27 वर्ष को गिरफ्तार किया है।

बाइक रेसिंग के चक्कर में हुआ सड़क हादसा, यू- ट्यूबर की मौत

■ कोरबा के दर्री थाना क्षेत्र में हुआ हादसा, अनियंत्रित बाइक पेड़ से टकराई

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में रविवार देर शाम दर्दनाक हादसे में यू-ट्यूबर की जान चली गई। दरअसल यू-ट्यूबर युवक बाइक पर स्टंट बाजी यानी रेसिंग की वीडियो बनाता और अपलोड़ करता था। इसी रेस के कारण उसकी बाइक अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे पेड़ से टकराया। हादसा इतना जोरदार था कि युवक की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं बाइक पर बैठे उसका साथी गंभीर रूप से घायल है।

मिली जानकारी के अनुसार यह हादसा बरमपुर नहर किनारे बाईपास मुख्य मार्ग पर हुई है। कुसमुंडा निवासी 24 वर्षीय मोहनीश कर्ष एक यूट्यूबर है, जो स्पोर्ट्स बाइक के तेज रफ्तार बाइक चलाकर यूट्यूब पर

वीडियो बनाकर डालता था। कोरबा ही नहीं छत्तीसगढ़ के मुख्य मार्ग और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में हर संडे को व्लॉग बनाकर यूट्यूब पर अपलोड किया करता था। रविवार की शाम लगभग चार बजे मोहनीश कर्ष अपने दोस्त ऋषिक कुमार के साथ वीडियो बनाने के लिए निकला हुआ था। जहां मृतक दो लाख की कीमत वाली स्पोर्ट्स बाइक पर कैमरा हेलमेट पहन कर दोनों निकले हुए थे। उसी वक्त हादसा हो गया।

बताया जा रहा है कि तेज रफ्तार होने के कारण बाइक अनियंत्रित हो गई। सीधी सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई। बताया जा रहा है कि स्पोर्ट्स बाइक में यूट्यूब वीडियो बना रहा था। जिसके चलते यह हादसा हुआ और उसकी मौत हो गई। इस हादसे में उसका दोस्त गंभीर रूप से घायल हो गया। इस घटना के बाद देखते ही देखते राहगीरों की भीड़ एकत्रित हो गई। वहीं घायल युवक को तत्काल जिला मेडिकल कॉलेज के लिए रवाना किया गया। जहां उसकी हालत को देखते हुए बिलासपुर रेफर कर दिया गया है।

हादसे की सूचना लोगों ने दर्री थाना पुलिस को भी दी गई। जहां मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने घटनाक्रम की जानकारी ली गई। मृतक के पिता अरुण कुमार कर्ष ने बताया कि उन्हें फोन पर घटनाक्रम की जानकारी मिली और वह मौके पर पहुंचे। जहां उसकी बेटे की मौत हो चुकी थी। उसका बेटा यूट्यूबर था और हर संडे को यूट्यूब पर वीडियो बनाने निकलता था। घटना के बाद परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

सीमेंट लोडकर दीपिका जाते समय हादसा, पुल से 20 फीट नीचे गिरा ट्रक, ड्राइवर की मौत

■ पाली थाना क्षेत्र का मामला, केबिन में दम घुटने से गई जान

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा में दीपका मुख्य मार्ग पर देर रात सीमेंट से भरा एक ट्रक पुल से नीचे जा गिरा। बताया जा रहा है कि ट्रक की रफ्तार बहुत तेज थी, जिससे ड्राइवर कंट्रोल नहीं कर सका। हादसे में ट्रक ड्राइवर की मौत हो गई। पूरा मामला पाली थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत धौराभांठा का है।

मिली जानकारी के मुताबिक रात करीब 11 बजे सीमेंट से भरा ट्रक बिलासपुर से दीपका की ओर आ रहा था। इसी बीच पाली दीपका

मुख्य मार्ग पर ट्रक 20 फीट नीचे जा गिरा। हादसे के बाद देखते ही देखते राहगीरों की भीड़ एकत्रित हो गई। इसकी सूचना पुलिस को दी गई।

बताया जा रहा है कि इस हादसे में ट्रक चालक केबिन में ही फंस गया था। पुल के नीचे गिरने से ट्रक में पानी भर गया, जिससे उसकी दम घुटने से मौत हो गई। पाली पुलिस घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची। लाश को कड़ी मशक्कत के बाद निकाली गई। वहीं ट्रक मालिक को हादसे की सूचना दी गई। पाली थाना प्रभारी चमन लाल सिंह ने बताया कि घटना की सूचना मिली थी। ट्रक को बाहर निकलने की कोशिश की जा रही है। लाश को निकालकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950